बिना संस्कार नहीं सहकार

बिना सहकार नहीं उद्धार

छत्तीसगढ़ सहकारी समाचार

वर्ष- 23 अंक - 12 सितंबर 2026 द्वितीय पाक्षिक RNI NO. CHHHIN/2012/45105 प्रकाशन तिथि 30 सितंबर पृष्ठ-12 मूल्य 2000/- वार्षिक

मैं से हम की यात्रा है सहकारिता : सौरभ शर्मा



छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ के अध्यक्ष सौरभ शर्मा ने मुख्यमंत्री से की सौजन्य भेंट

■ **संघ की गतिविधियों एवं भवन निर्माण के लिए भूमि/भवन की मांग पर हुई चर्चा**

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ के अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री से सौजन्य भेंट कर प्रदेश में सहकारिता के क्षेत्र में संघ द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों एवं आगामी कार्ययोजनाओं के संबंध में चर्चा की। इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष श्री सौरभ शर्मा के साथ सहकार भारती के प्रदेश महामंत्री श्री कनीराम शर्मा भी उपस्थित थे।

संघ की गतिविधियों के विस्तार तथा संघ के लिए भवन की आवश्यकता एवं भवन निर्माण हेतु मांग के संबंध में भी मुख्यमंत्री के समक्ष चर्चा की गई।

भवन के लिए सकारात्मक पहल का अनुरोध : अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री से संघ के लिए भवन संबंधी मांग पर आवश्यक सहयोग एवं सकारात्मक पहल का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री से हुई यह सौजन्य भेंट प्रदेश में सहकारिता से जुड़ी गतिविधियों को आगे बढ़ाने की दृष्टि से महत्वपूर्ण रही।

संघ के कार्यक्रमों से कराया अवगत

भेंट के दौरान छत्तीसगढ़ में सहकारिता के प्रचार-प्रसार, सहकारी संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के प्रशिक्षण, क्षमता विकास तथा अध्ययन भ्रमण जैसी गतिविधियों के माध्यम से सहकारी आंदोलन को मजबूत करने के प्रयासों की जानकारी दी गई। राज्य सहकारी संघ द्वारा सहकारी समितियों से जुड़े पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। संघ की गतिविधियों के प्रभावी संचालन तथा भविष्य में प्रस्तावित प्रशिक्षण एवं अन्य कार्यक्रमों के लिए एक स्वतंत्र एवं सुव्यवस्थित भवन की आवश्यकता पर भी चर्चा की गई।

भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना ने रचा इतिहास

भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना को दिल्ली में मिला हाईएस्ट शुगर रिकवरी का नेशनल अवॉर्ड

■ **उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा एवं सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने क्षेत्रवासियों, किसानों एवं कारखाना कर्मचारियों को दी बधाई**

कबीरधाम। जिले में स्थित भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना कवर्धा ने राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के लिए "हाईएस्ट शुगर रिकवरी इन अदर एरिया" का नेशनल एफिशिएंसी अवॉर्ड प्राप्त किया है। छत्तीसगढ़ के लिए यह विशेष गौरव का अवसर है कि राज्य में पहली बार किसी सहकारी शक्कर कारखाने को इस श्रेणी में राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना की स्थापना और उसके प्रारंभिक विकास में श्री के.एन. कांडे की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सहकारिता क्षेत्र में अपने प्रशासनिक अनुभव और कार्यकुशलता के माध्यम से उन्होंने कारखाने की स्थापना से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

श्री कांडे की भूमिका केवल कारखाने की स्थापना तक सीमित नहीं रही, बल्कि सहकारी संस्थाओं को मजबूत करने, किसानों को सहकारिता से जोड़ने तथा सहकारी शक्कर कारखानों के बेहतर संचालन की दिशा में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा।

नई दिल्ली स्थित डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, 15 जनपथ में नेशनल को-ऑपरेटिव शुगर फेडरेशन द्वारा वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के लिए भव्य नेशनल एफिशिएंसी अवॉर्ड समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। विशिष्ट अतिथियों के रूप में केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर





सहित विभिन्न राज्यों के सहकारिता मंत्री उपस्थित रहे। छत्तीसगढ़ के सहकारिता मंत्री केदार कश्यप भी विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए।

किसानों की समृद्धि में शक्कर कारखानों का बड़ा योगदान : गडकरी

समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने किसानों की समृद्धि में शक्कर कारखानों के योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए शक्कर कारखानों के सह-उत्पादों के अधिकतम उपयोग और उनके वैल्यू एडिशन पर विशेष जोर दिया।

लगातार दो वर्षों के लिए मिला राष्ट्रीय सम्मान

समारोह में भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना, कवर्धा को वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के लिए हाईएस्ट शुगर रिकवरी इन अदर एरिया÷ का नेशनल अवॉर्ड केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के सहकारिता मंत्री केदार कश्यप भी उपस्थित रहे। अकारखाने की ओर से यह प्रतिष्ठित पुरस्कार आयुक्त सहकारिता, छत्तीसगढ़ रमेश शर्मा, सहकारिता विभाग के ओएसडी युगल किशोर, कारखाने के प्रबंध संचालक, महाप्रबंधक एवं इंजीनियर द्वारा संयुक्त रूप से ग्रहण किया गया।

शर्मा और कश्यप ने जताया हर्ष

भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना को राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा एवं सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने हर्ष व्यक्त करते हुए इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए क्षेत्रवासियों, कारखाने से जुड़े गन्ना उत्पादक किसानों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी है। उल्लेखनीय है कि, भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना, कवर्धा स्थापना के समय से ही क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। कारखाना गन्ना उत्पादक किसानों को बाजार उपलब्ध कराने के साथ-साथ गन्ना विकास, उन्नत कृषि तकनीक, प्रशिक्षण एवं किसान कल्याण की विभिन्न गतिविधियों का संचालन भी कर रहा है।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में दो वर्षों की प्रमुख उपलब्धियां

1. लगभग 5 हजार नए गन्ना किसानों को कारखाने की सदस्यता

गन्ना उत्पादक किसानों की लंबे समय से चली आ रही मांग को देखते हुए कई वर्षों बाद कारखाने में गन्ना आपूर्ति करने वाले लगभग 5 हजार नए गन्ना उत्पादक किसानों को शेयर प्रदान कर कारखाने की सदस्यता दी गई। इससे बड़ी संख्या में नए किसान सीधे कारखाने की सहकारी व्यवस्था से जुड़े हैं।

2. शेयरधारक किसानों को रियायती दर पर शक्कर

भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना द्वारा शेयरधारक किसानों को रियायती दर पर शक्कर उपलब्ध कराने का यह लगातार तीसरा वर्ष है। योजना के अंतर्गत शेयरधारक किसानों को 30 रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती दर से 50 किलोग्राम शक्कर उपलब्ध कराई जाती है।



3. जैविक खाद के लिए रियायती दर पर प्रेसमड

कारखाने से जुड़े शेयरधारक गन्ना किसानों को जैविक खाद के रूप में उपयोग के लिए प्रेसमड भी रियायती दर पर उपलब्ध कराया जा रहा है। किसानों को 1,000 रुपये प्रति ट्रैक्टर की रियायती दर पर प्रेसमड दिया जाता है।

4. गन्ना किसानों के लिए शैक्षणिक भ्रमण एवं प्रशिक्षण

गन्ना किसानों को आधुनिक एवं उन्नत गन्ना उत्पादन तकनीकों से परिचित कराने के लिए कारखाना समय-समय पर शैक्षणिक भ्रमण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है। किसानों को उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र एवं गुजरात जैसे प्रमुख गन्ना उत्पादक राज्यों में अध्ययन एवं प्रशिक्षण के लिए भेजा गया है। इसके अंतर्गत किसानों को गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट, पुणे तथा कृषि विज्ञान केंद्र, बारामती जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में गन्ने की उन्नत खेती की तकनीकों का प्रशिक्षण दिलाया जाता है। इसके अतिरिक्त देश के विभिन्न हिस्सों से गन्ना उत्पादन एवं अनुसंधान से जुड़े वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों को सेमिनार तथा क्षेत्रीय अध्ययन के लिए आमंत्रित किया जाता है।

5. उन्नत प्रजाति के गन्ना बीज एवं पौध का रियायती दर पर वितरण

क्षेत्र में गन्ने की उत्पादकता एवं गुणवत्ता बढ़ाने के उद्देश्य से कारखाना गन्ना विकास की दिशा में लगातार कार्य कर रहा है। इसके अंतर्गत वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट, पुणे सहित महाराष्ट्र के प्रमुख गन्ना उत्पादक क्षेत्रों से उन्नत प्रजाति के गन्ना बीज एवं पौध मंगाकर किसानों को रियायती दर पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

1,000 एकड़ में उन्नत प्रजातियों के गन्ने का रोपण - इस वर्ष कारखाने के प्रयास से लगभग 1,000 एकड़ क्षेत्र में नई एवं उन्नत प्रजातियों के गन्ने का रोपण कराया गया है। इसके साथ ही कारखाना परिसर की उपलब्ध अतिरिक्त भूमि में लगभग 10 एकड़ क्षेत्र में डेमोंस्ट्रेशन प्लॉट विकसित किए गए हैं, जहां उन्नत गन्ना प्रजातियों का प्रदर्शन किया जा रहा है।

एनसीईएल ने 5वीं एजीएम आयोजित की, 584.20 करोड़ रुपये का कारोबार

नई दिल्ली। नेशनल को-ऑपरेटिव एक्सपोर्ट्स लिमिटेड (एनसीईएल) ने अपनी 5वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान निर्यात कारोबार के विस्तार और सहकारी नेटवर्क की मजबूती को रेखांकित किया।

एजीएम की अध्यक्षता एनसीईएल के चेयरमैन, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) के प्रबंध निदेशक और सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के अतिरिक्त सचिव पंकज कुमार बंसल, आईएएस ने की। बैठक में वित्त वर्ष 2025-26 के प्रदर्शन की समीक्षा की गई तथा भारत के सहकारी-आधारित निर्यात तंत्र के विस्तार की रणनीति पर चर्चा हुई।



अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बढ़ाई अपनी पहुंच

एनसीईएल ने वित्त वर्ष 2025-26 में 584.20 करोड़ रुपये का परिचालन कारोबार दर्ज किया। इस दौरान सहकारी संस्था ने अपने निर्यात पोर्टफोलियो में उल्लेखनीय विस्तार किया और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी पहुंच बढ़ाई। एनसीईएल की निर्यात उत्पाद टोकरी में शामिल उत्पादों की संख्या वित्त वर्ष 2024-25 के 34 से बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में 54 हो गई। इनमें केला, अंगूर, झींगा, हल्दी, जीरा सहित कृषि, बागवानी, समुद्री ओर मूल्यवर्धित उत्पाद शामिल हैं।

दक्षिण एशिया, अफ्रीका, मध्य पूर्व में मजबूत की मौजूदगी

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में पहुंच बढ़ाने के लिए एनसीईएल ने यूरोप और पूर्वी एशिया में नए अवसर तलाशे, जबकि दक्षिण एशिया, अफ्रीका और मध्य पूर्व में अपनी मौजूदगी को मजबूत किया। संस्था ने जर्मनी, मोरक्को, स्पेन, संयुक्त अरब अमीरात और हांगकांग में व्यापारिक गतिविधियों और प्रतिनिधिमंडलों में भाग लिया तथा विदेशी खरीदारों और संस्थागत हितधारकों के साथ संपर्क स्थापित किया। इस दौरान एनसीईएल ने एक समर्पित मरीन डिवीजन की स्थापना भी की, जिसने अपने पहले वर्ष में मर्चेंट एक्सपोर्ट के लिए एंड-टू-एंड क्षमताएं विकसित कीं। डिवीजन ने तालाब स्तर पर सीधे खरीद की व्यवस्था अपनाई और करीब 1,000 किसानों का आपूर्तिकर्ता नेटवर्क तैयार किया। किसानों को पारदर्शी और समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उसी दिन डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) की व्यवस्था भी शुरू की गई।

सदस्य संख्या में 66% की वृद्धि

वित्त वर्ष 2025-26 में एनसीईएल की सदस्य संख्या 10,276 से बढ़कर 17,066 हो गई, जो करीब 66 प्रतिशत की वृद्धि है। बोर्ड द्वारा अनुमोदित सदस्यों की संख्या 9,865 से बढ़कर 16,907 हुई, जबकि चुकता शेयर पूंजी 58.09 करोड़ रुपये से बढ़कर 150.92 करोड़ रुपये हो गई। एनसीईएल भारतकोऑप, सविद्या. कोऑप और कोऑप मार्क भारत जैसी पहलों पर भी काम कर रहा है, जिनका उद्देश्य सहकारी उत्पादों के लिए मजबूत पहचाने और डिजिटल इकोसिस्टम विकसित करना है। आगे एनसीईएल अंतरराष्ट्रीय व्यापार हब और वितरण केंद्र विकसित करने, विदेशों में वेयरहाउसिंग एवं लॉजिस्टिक्स को मजबूत करने, भारतकोऑप उत्पादों की प्रीमियम पहचान बढ़ाने और उत्पादक से वैश्विक बाजार तक की आपूर्ति श्रृंखला को अधिक डिजिटल बनाने की दिश में काम करेगा।

भारत के सहकारी पारिस्थितिकी तंत्र को बदलने की पहल

■ **मंत्रालय ने जारी की छह स्तंभों की सूची**

नई दिल्ली। सहकारिता मंत्रालय ने भारत के सहकारी इकोसिस्टम को बदलने के लिए छह मुख्य स्तंभ तय किए हैं। इनका मकसद संस्थानों को मजबूत करना, बिजनेस के मौके बढ़ाना, टेक्नोलॉजी अपनाना, सबको साथ लेकर चलना (समावेशिता), नए उभरते सेक्टर में कदम रखना और युवा पीढ़ी को जोड़ना है।

इस फ्रेमवर्क का मकसद एक मजबूत, स्मार्ट और समावेशी सहकारी आंदोलन बनाना है। इसमें प्राइमरी एग्रीकल्चरल क्रेडिट सोसाइटीज़ के डिजिटलीकरण से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लीन एनर्जी प्रोजेक्ट और युवाओं के लिए स्किल डेवलपमेंट जैसे कई कदम शामिल हैं।

पहला स्तंभ-नींव को मजबूत करना : नींव को मजबूत करना, सहकारी संस्थाओं के लिए एक मजबूत संस्थागत आधार बनाने पर केंद्रित है। इसमें कानूनी सुधार, बेहतर गवर्नेंस, फाइनेंस तक आसान पहुंच और डिजिटलीकरण शामिल हैं। इन उपायों का मकसद सहकारी संस्थाओं की कार्यक्षमता और स्थिरता को बेहतर बनाना है, साथ ही उन्हें अपने सदस्यों की बदलती जरूरतों के हिसाब से बेहतर तरीके से काम करने में सक्षम बनाना है। **दूसरा स्तंभ - सक्रियता को बढ़ावा देना :** सहकारी संस्थाओं के आसपास नए बिजनेस इकोसिस्टम बनाने और उनकी आर्थिक गतिविधियों का विस्तार करने पर केंद्रित है। निर्यात, ग्रामीण बिजनेस क्लस्टर और ऐसे मौकों पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है जिनसे सहकारी संस्थाएं बाजारों में अधिक सक्रिय रूप से भाग ले सकें और अपने सदस्यों के लिए अतिरिक्त आय पैदा कर सकें।

सहकारी क्षेत्र को मजबूत करने के व्यापक प्रयास

सरकार द्वारा डिजिटलीकरण, संस्थागत सुधारों और नई आर्थिक गतिविधियों में विस्तार के माध्यम से सहकारी क्षेत्र को मजबूत करने के व्यापक प्रयासों की पृष्ठभूमि में छह-स्तंभ वाला दृष्टिकोण अपनाया गया है। सहकारी ऋण संरचना की जमीनी स्तर की इकाई, पीएसीएस, डिजिटल परिवर्तन अभियान के प्रमुख लाभार्थियों में से हैं। इनका कम्प्यूटरीकरण और आधुनिक सेवाओं के साथ एकीकरण पारदर्शिता, दक्षता और ग्रामीण सदस्यों के लिए उपलब्ध सेवाओं की व्यापकता में सुधार लाने के उद्देश्य से किया गया है।



तीसरा स्तंभ - 'सहकारी संस्थाओं को भविष्य के लिए तैयार करना' : सहकारी विकास के केंद्र में टेक्नोलॉजी और प्रोफेशनल मैनेजमेंट को रखता है। इसमें बड़े पैमाने पर टेक्नोलॉजी को अपनाना, आधुनिक मैनेजमेंट तरीके और सहकारी टेक्नोलॉजी स्टैक का विकास शामिल है। इस दृष्टिकोण का मकसद सहकारी संस्थाओं को अधिक कुशलता से काम करने और तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था में प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनाना है।

चौथा स्तंभ- 'समावेशिता को बढ़ावा देना और पहुंच को व्यापक बनाना': सहकारी आंदोलन को जन-केंद्रित संस्था के रूप में विस्तारित करने पर केंद्रित है। मंत्रालय सहकारी नेतृत्व वाले समावेशी विकास को बढ़ावा देना चाहता है और सहकारी समितियों को जन आंदोलन के रूप में मजबूत करना चाहता है, ताकि उनके लाभ समाज के व्यापक वर्ग तक पहुंच सकें।

पांचवां स्तंभ - पारंपरिक गतिविधियों से अलग करने की कोशिश: नए और उभरते क्षेत्रों में प्रवेश पर केंद्रित है। इस दृष्टिकोण के तहत, सहकारी समितियों को पारंपरिक गतिविधियों से हटकर विविधीकरण करने और बायोगैस, स्वच्छ ऊर्जा, भंडारण और स्वास्थ्य सेवा जैसे नए क्षेत्रों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस तरह के विविधीकरण से सहकारी समितियों के लिए नए व्यावसायिक अवसर पैदा हो सकते हैं और साथ ही व्यापक ग्रामीण आर्थिक विकास में योगदान मिल सकता है। छठा स्तंभ, सहकारी विकास के लिए युवा पीढ़ी का निर्माण, युवाओं को सहकारी क्षेत्र में लाने पर केंद्रित है।

सहकारिता के जरिए नवधा रामायण का होगा विस्तार, डॉ. सौरभ निर्वाणी ने की पहल



■ **गांव-गांव की मंडलियां होंगी एकजुट, सहकारिता से संरक्षण और संवर्धन की तैयारी**

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ की गांव-गांव में चली आ रहीनवधा रामायण परंपराको प्रदेशव्यापी मंच देने की पहल की गई है। धर्म स्तंभ काउंसिल के सभापतिडॉ. सौरभ निर्वाणीने मुख्यमंत्रीविष्णु देव सायसे मुलाकात कर नवधा मंडलियों, कलाकारों और समितियों को एकजुट करने की कार्ययोजना पर चर्चा की।

नवधा महासंघ के माध्यम से प्रदेशभर की मंडलियों कापंजीयन एवं सूचीकरणकर उन्हें एक नेटवर्क से जोड़ने की योजना है। डॉ. निर्वाणी ने कहा कि इस अभियान कोसहकारिता से जोड़करमंडलियों को प्रशिक्षण, संसाधन, पारंपरिक वाद्य यंत्र और प्रस्तुति के अवसर उपलब्ध कराए जा सकते हैं।

उत्कृष्ट नवधा मंडलियों कोजिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर के सांस्कृतिक आयोजनोंमें प्रस्तुति का अवसर देने की भी योजना है। अभियान में संत समाज, कलाकारों और सांस्कृतिक संस्थाओं को जोड़कर नवधा रामायण की परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने पर जोर दिया जा रहा है।

सहकारिता के माध्यम से गांव की सांस्कृतिक परंपरा को संगठित कर प्रदेश के बड़े मंच तक पहुंचाने की दिशा में यह पहल की जा रही है।

श्री बीरेश्वर को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी के नए प्रधान कार्यालय का उद्घाटन

■ **केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल, केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी भी रहे मौजूद**

बेलगावी (कर्नाटक)। केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने कर्नाटक के बेलगावी जिले के चिकोडी तालुका स्थित नांदी में श्री बीरेश्वर को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी लिमिटेड (मल्टी-स्टेट) के नवनिर्मित प्रधान कार्यालय का उद्घाटन किया। यह कार्यक्रम संस्था के 36वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित किया गया। समारोह में केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी, सहकारिता क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

4.60 लाख सदस्य और 263 शाखाएं : समारोह को संबोधित करते हुए मुरलीधर मोहोल ने बताया कि श्री बीरेश्वर को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी के करीब 4.60 लाख सदस्य हैं और देशभर में इसकी 263 शाखाएं संचालित हो रही हैं। संस्था का कुल कारोबार 9,000 करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है। उन्होंने संस्था की टीम को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और कहा कि श्री बीरेश्वर सोसायटी जैसी संस्थाएं सहकारी क्षेत्र को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।



'सहकार से समृद्धि' पर जोर : मोहोल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सहकार से समृद्धि' के विजन और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में सहकारिता क्षेत्र को मजबूत, आधुनिक, पारदर्शी और व्यापक बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कर्नाटक में सहकारिता आंदोलन को आगे बढ़ाने में अण्णासाहेब जोल्ले और उनकी पत्नी के योगदान की भी सराहना की।

8.5 लाख से अधिक सहकारी संस्थाएं: केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि देश में 8.5 लाख से अधिक सहकारी संस्थाएं कार्यरत हैं और करीब 32 करोड़ लोग इनके सदस्य हैं। उनके अनुसार, लगभग 20 से 25 करोड़ परिवार किसी न किसी रूप में सहकारिता से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि सहकारिता के महत्व को देखते हुए केंद्र सरकार ने अलग सहकारिता मंत्रालय का गठन किया। पिछले करीब पांच वर्षों में इस क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण सुधार और बदलाव किए गए हैं।

प्रशिक्षित मानव संसाधन की जरूरत

मोहोल ने कहा कि अगले करीब 10 वर्षों में सहकारिता क्षेत्र के लिए लगभग 17 लाख प्रशिक्षित मानव संसाधन की आवश्यकता होगी। उन्होंने 'त्रिभुवन' सहकारी विश्वविद्यालय को इस दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताते हुए कहा कि यह संस्थान सहकारी क्षेत्र के लिए कुशल और प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार करने में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने श्वेत क्रांति, सहकार बीमा और भारत टैक्सी जैसी नई पहलों का भी उल्लेख किया। राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) की भूमिका की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि निगम सहकारी संस्थाओं को वित्तीय और संस्थागत सहायता उपलब्ध करा रहा है। मोहोल ने विश्वास जताया कि श्री बीरेश्वर को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी जैसी संस्थाएं 'सहकार से समृद्धि' के लक्ष्य को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान देती रहेंगी।

पैक्स के कंप्यूटरीकरण पर 3,000 करोड़ रुपये: मोहोल ने बताया कि सहकारिता क्षेत्र से जुड़े 160 से अधिक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। करीब 80,000 प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) के कंप्यूटरीकरण के लिए लगभग 3,000 करोड़ रुपये की परियोजना शुरू की गई है। इसके अलावा, गांव स्तर की सहकारी संस्थाओं को 25 प्रकार की आर्थिक गतिविधियों से जोडने की पहल की जा रही है, ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल सके।

सिटिजन क्रेडिट को-ऑपरेटिव बैंक का कारोबार 5,000 करोड़ के पार पहुंचा

हैदराबाद। द सिटिजन को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड हैदराबाद का कारोबार वित्त वर्ष 2025-26 में 5,000 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। सोसाइटी की पिछले सप्ताह हैदराबाद में आयोजित 29वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में वित्तीय प्रदर्शन की जानकारी दी गई। इस मौके पर सोसाइटी के अध्यक्ष एम.एस.आर.वी. प्रसाद ने बताया कि सोसाइटी ने 5,000 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर लिया है।

वित्त वर्ष 2025-26 में सोसाइटी का कर पश्चात शुद्ध लाभ 9.39% बढ़कर 90.01 करोड़ रुपये हो गया, जो 2024-25 में 82.28 करोड़ रुपये था। जमा राशि 17.18% बढ़कर 2,669.08 करोड़ रुपये, जबकि ऋण एवं अग्रिम 16.73% बढ़कर 2,466.04 करोड़ रुपये हो गए। उक्त वित्त वर्ष में गोल्ड लोन सोसाइटी की वृद्धि का प्रमुख आधार रहा। गोल्ड लोन 37.67% बढ़कर 1,523.28 करोड़ रुपये हो गया।



सोसाइटी के कुल रिजर्व 455.23 करोड़ तक पहुंचा: इसके अलावा, सोसाइटी के कुल रिजर्व 18.08% बढ़कर 455.23 करोड़ रुपये हो गए। सदस्य संख्या बढ़कर 1,08,478 हो गई, जबकि निवेश 658.29 करोड़ रुपये रहा। सोसाइटी का सीआरएआर 19.11% रहा, जबकि निर्धारित न्यूनतम स्तर 12% है। वर्ष 2026-27 के लिए सोसाइटी ने 5,850 करोड़ रुपये के कुल कारोबार का लक्ष्य रखा है। करीब नौ वर्ष के अंतराल के बाद सोसाइटी को केंद्रीय सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार ने चार नई शाखाएं खोलने की अनुमति दी है। इनमें एल.बी. नगर (हैदराबाद), ऑटो नगर (विजयवाड़ा) और मधुरवाड़ा (विशाखापत्तनम) शाखाएं शुरू हो चुकी हैं। मणिकोंडा शाखा का उद्घाटन रविवार को हुआ।

सोसाइटी की अब 46 शाखाएं

सोसाइटी की अब पांच राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में 46 शाखाएं, एक लाख से अधिक सदस्य और करीब 300 कर्मचारी हैं। एजीएम में यह भी बताया गया कि सोसाइटी के पूर्व प्रबंध निदेशक और वर्तमान सलाहकार के. वेंकटसुब्बैया को सहकारिता मंत्रालय द्वारा गठित मल्टी-स्टेट कोऑपरेटिव क्रेडिट एंड थ्रिफ्ट सोसाइटियों पर उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समूह का सदस्य नामित किया गया है। सोसाइटी मौजूदा कोर बैंकिंग सिस्टम से नेक्स्ट जेनरेशन कोर बैंकिंग सिस्टम पर माइग्रेशन की तैयारी कर रही है। नया प्लेटफॉर्म दिसंबर 2026 तक परिचालन में आने की उम्मीद है।

टीजेएसबी सहकारी बैंक को सर्वोत्कृष्ट बैंक का पुरस्कार



मुंबई। महाराष्ट्र स्थित टीजेएसबी सहकारी बैंक लिमिटेड ने 5,000 करोड़ रुपये से अधिक जमा वाली श्रेणी में सर्वोत्कृष्ट बैंक पुरस्कार में तीसरा स्थान हासिल किया है। यह सम्मान महाराष्ट्र अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक्स फेडरेशन लिमिटेड की ओर से आयोजित वार्षिक पुरस्कार समारोह में प्रदान किया गया।

बैंक के महाप्रबंधक हरप्रीत छाबड़ा ने टीजेएसबी सहकारी बैंक की ओर से यह पुरस्कार प्राप्त किया। समारोह में शहरी सहकारी बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधियों और अन्य हितधारकों ने हिस्सा लिया।

बैंकिंग सेवाओं और संचालन को मिली मान्यता : यह पुरस्कार टीजेएसबी सहकारी बैंक के मजबूत परिचालन, प्रभावी ग्राहक सेवाओं और सहकारी बैंकिंग क्षेत्र के विकास में योगदान को मान्यता देता है। बैंक प्रबंधन ने सम्मान पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि ग्राहकों के विश्वास, कर्मचारियों की मेहनत और बैंक की निरंतर प्रगति का परिणाम है। पुरस्कार से बैंक को भविष्य में बेहतर और आधुनिक बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

बिहार के सहकारी अधिकारियों को दिया गया पांच दिवसीय प्रशिक्षण

बिहार। लक्ष्मणराव इनामदार राष्ट्रीय सहकारी अनुसंधान एवं विकास अकादमी (लिनेक-एनसीडीसी) ने बिहार सरकार के सहकारिता विभाग के अधिकारियों के लिए आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न किया।

प्रशिक्षण का उद्देश्य अधिकारियों की नेतृत्व क्षमता और पेशेवर दक्षता को मजबूत करने के साथ-साथ उन्हें सहकारिता क्षेत्र में हो रहे नवीनतम विकास, योजनाओं, नीतियों और उभरती पहलों से अवगत कराना था। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी अधिकारियों को सहकारिता क्षेत्र में संचालित विभिन्न गतिविधियों और नई पहलों की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में सैद्धांतिक जानकारी के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव पर भी जोर दिया गया।

आइडियल बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्राम सेवा सहकारी समिति का भी दौरा : अधिकारियों ने अलवर, राजस्थान स्थित रामगढ़ आइडियल बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्राम सेवा सहकारी समिति का भी दौरा किया। इस क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों ने जमीनी स्तर पर संचालित सहकारी संस्था के कामकाज, प्रबंधन, गतिविधियों और सेवा वितरण प्रणाली को समझा तथा ग्रामीण स्तर पर सहकारी मॉडल के व्यावहारिक पहलुओं का अध्ययन किया।



राष्ट्रीय स्तर की सहकारी संस्थाओं का अध्ययन दौरा

प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों ने कई प्रमुख राष्ट्रीय स्तर की सहकारी संस्थाओं का अध्ययन दौरा किया। इनमें नेशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट्स लिमिटेड (एनसीईएल), नेशनल कोऑपरेटिव ऑर्गेनिक्स लिमिटेड (एनसीओएल), भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (बीबीएसएसएल) और राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) शामिल थे। इन संस्थागत दौरों के दौरान अधिकारियों ने संबंधित संस्थाओं के कामकाज, प्रबंधन प्रणालियों, गतिविधियों और विभिन्न चल रही पहलों को समझा। उन्हें निर्यात, जैविक उत्पाद, बीज क्षेत्र और सहकारी विकास जैसे क्षेत्रों में सहकारी संस्थाओं की बढ़ती भूमिका को करीब से जानने का अवसर मिला।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान जयपुर में सांस्कृतिक भ्रमण भी आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने प्रमुख ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक स्थलों का दौरा किया। पांच दिवसीय कार्यक्रम में कक्षा आधारित प्रशिक्षण, राष्ट्रीय सहकारी संस्थाओं के अध्ययन दौरे, जमीनी स्तर के क्षेत्रीय भ्रमण और सांस्कृतिक गतिविधियों को शामिल किया गया।

सहकारी संघों ने लिया सेवा संकल्प अभियान में हिस्सा कई स्थानों पर जलाया गया 'आशीर्वाद का दीया'

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर 2026 को और उनके सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में छत्तीसगढ़ के रायपुर में सहकारिता विभाग एवं सहकारी संघों ने आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम आयोजित कर दीप प्रज्वलित कर उन्हें शुभकामनाएं दीं।

यह आयोजन केंद्र सरकार द्वारा 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलाए जा रहे 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत हुआ, जिसमें देशभर में सेवा, सुशासन और जनभागीदारी से जुड़े कार्यक्रम किए जा रहे हैं। रायपुर में इसी श्रृंखला में सहकारिता मंत्री केदार कश्यप के पुराने बंगले/परिसर में विभिन्न सहकारी निकायों–जैसे उपायुक्त सहकारिता रायपुर, छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक और जिला सहकारी संघ–के अधिकारियों व कर्मचारियों ने मिलकर दीप प्रज्वलन किया।



आशीर्वाद का दीया का व्यापक स्वरूप

- पूरे छत्तीसगढ़ में 17 सितंबर को शाम 7 बजे एक साथ लाखों दीप जलाए गए; सरकारी आंकड़ों के मुताबिक प्रदेशभर में 1.50 करोड़ से अधिक आशीर्वाद के दीये जले।

- रायपुर शहर में अकेले 25 लाख से अधिकदीप प्रज्वलित किए गए, और इस बड़े आयोजन कोगोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किए जाने की बात कही गई।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायपुर के महादेव घाट (खारुन तट) पर हुए मुख्य दीपोत्सव में भाग लिया और प्रधानमंत्री के दीर्घायु जीवन व विकसित भारत के संकल्प की सफलता की कामना की।



सहकारिता विभाग की भूमिका और संदेश

कार्यक्रम में वक्ताओं ने सहकारिता आंदोलनको समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने का सशक्त माध्यम बताया और प्रधानमंत्री के सहकार से समृद्धि मूल मंत्र के अनुरूप छत्तीसगढ़ में सहकारिता तंत्र को और मजबूत व पारदर्शी बनाने का संकल्प दोहराया।

- उत्सव जैसे माहौल में पंक्तिबद्ध होकर जलाए गए दीपों ने सेवा, सुशासन और राष्ट्र-निर्माण के संकल्प को प्रतीकात्मक रूप से रेखांकित किया।

सौ-सौ रुपये से खड़ी हुई पूँजी की दीवार

विशेष श्रृंखला भाग-4 : अंशपूँजी और आर्थिक अनुशासन — हर सदस्य की हिस्सेदारी

पिछले अंक में हमने पढ़ा था कि कैसे पहली आमसभा में सदस्यों ने पहली बार खुलकर सवाल पूछे और संस्था का हिसाब-किताब समझा। उसी हिसाब-किताब के मूल में एक छोटी-सी चीज़ थी – हर सदस्य द्वारा जमा की गई मामूली-सी अंशपूँजी। किसी ने सौ रुपये जमा किए थे, किसी ने दो सौ। अलग-अलग देखने पर यह रकम छोटी लगती थी, पर जब सबकी पूँजी मिलकर एक तालिका में जुड़ी, तो वह रकम संस्था की सबसे बड़ी ताकत बन गई।

छोटी बूँदों से बना कोष

जब समिति की स्थापना हो रही थी, तब कोषाध्यक्ष ने हर सदस्य से अंशपूँजी के रूप में एक निश्चित राशि जमा कराई थी। कुछ सदस्यों ने उस समय हल्के मन से पूछा था – 'इतनी छोटी रकम से क्या फर्क़ पड़ेगा?' जवाब मिला साल भर बाद, जब उसी छोटी-छोटी पूँजी के सहारे समिति ने सामूहिक रूप से खाद-बीज खरीदा और सबको समय पर उपलब्ध कराया।

अंशपूँजी दरअसल सदस्यता का सबसे ठोस प्रमाण है। यह केवल पैसा नहीं, बल्कि संस्था में सदस्य की हिस्सेदारी और जुड़ाव की निशानी है। जितनी व्यापक और नियमित भागीदारी होती है, संस्था की आर्थिक नींव उतनी ही मज़बूत होती है।

पारदर्शी हिसाब, मज़बूत भरोसा

पूँजी और निधि का हिसाब जितना स्पष्ट रखा जाता है, सदस्यों का भरोसा उतना ही गहरा होता है। एक समिति में हर सदस्य को उसकी जमा अंशपूँजी की पासबुक जैसी छोटी डायरी दी जाती थी, जिसमें हर लेन-देन दर्ज होता था। दूसरी समिति में यह हिसाब केवल एक बड़े रजिस्टर तक सीमित था, जिसे सामान्य सदस्य शायद ही कभी देख पाते थे। समय के साथ पहली समिति के सदस्यों में अपनी पूँजी को लेकर जो आत्मविश्वास और अपनापन दिखा, वह दूसरी समिति में कम देखने को मिला। पारदर्शिता की यही छोटी-सी आदत बड़े भरोसे की नींव बन जाती है।

निधि — मुश्किल वक्त की ढाल

अंशपूँजी के साथ-साथ समिति अलग-अलग निधियाँ भी बनाती है – कुछ रकम भविष्य की अनिश्चितताओं के लिए, कुछ डूबत ऋणों की भरपाई के लिए। एक अनुभवी कोषाध्यक्ष इसे बड़े सरल ढंग से समझाते हैं।

'निधि वह छाता है जो धूप में नहीं, बारिश में काम आता है – इसलिए इसे कभी हल्के में मत लीजिए।'

— समिति कोषाध्यक्ष

जिन समितियों ने शुरुआत से ही निधियों में नियमित योगदान की आदत बनाई, वे किसी अप्रत्याशित नुकसान या संकट की स्थिति में भी डगमगाई नहीं। इसके विपरीत, जिन्होंने निधियों को गंभीरता से नहीं लिया, उन्हें मुश्किल समय में बाहरी कर्ज़ का सहारा लेना पड़ा।

जब हर सदस्य को अपनी पूँजी का हिसाब साफ साफ दिखता है, तभी वह संस्था को सच में 'अपनी' मानने लगता है।

सामूहिक पूँजी, सामूहिक ताकत

जब खाद-बीज की सामूहिक खरीद की बात आई, तो अकेले किसी एक सदस्य के लिए बड़ी मात्रा में सामान खरीदना मुश्किल होता। पर सबकी अंशपूँजी और निधि मिलकर जब एक साझा कोष बनी, तो समिति बड़ी मात्रा में खरीद कर पाई, और हर सदस्य को बेहतर दर पर सामान मिला। यही सहकारिता की आर्थिक ताकत का सबसे सीधा उदाहरण है – अकेले जो संभव नहीं, वह मिलकर संभव हो जाता है।

नई समितियों के लिए सीख

जो समितियाँ अंशपूँजी और निधियों के संचालन में नियमितता और पारदर्शिता बनाए रखती हैं, वे लंबे समय तक आर्थिक रूप से स्थिर रहती हैं। यह अनुशासन शुरुआत में मामूली लग सकता है, पर यही आगे चलकर संस्था की सबसे बड़ी पूँजी साबित होता है।

अगले अंक में हम पढ़ेंगे – अंकेक्षण की कहानी, जहाँ यही हिसाब-किताब एक स्वतंत्र नज़र से परखा जाता है और पारदर्शिता की असली परीक्षा होती है। तब तक के लिए, सहकार समाचार पढ़ते रहिए।

संकलनकर्ता

- श्री पुरूषोत्तम सोनी, सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र, रायपुर

मल्टी-स्टेट क्रेडिट को-ऑप क्षेत्र की चुनौतियों पर मंथन

पुणे। फेडरेशन ऑफ मल्टी-स्टेट क्रेडिट को-ऑपरेटिव ने पुणे में अपनी 10वीं वार्षिक आमसभा आयोजित की। बैठक में विभिन्न क्रेडिट सहकारी संस्थाओं के चेयरमैन, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, पदाधिकारी और प्रतिनिधियों ने भाग लिया। आमसभा में क्रेडिट सहकारी क्षेत्र में बदलते नियामकीय एवं वित्तीय परिदृश्य तथा सामने आ रही चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की गई।



आमसभा की अध्यक्षता फेडरेशन के संस्थापक चेयरमैन सुरेश वाबले ने की। बैठक में मल्टी-स्टेट क्रेडिट सोसाइटियों के कामकाज, बदलते नियामकीय प्रावधानों, सदस्य हितों और संस्थागत चुनौतियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। सहकारी संस्थाओं को मजबूत बनाने के लिए पारदर्शिता, बेहतर सुशासन और सदस्य-केंद्रित दृष्टिकोण को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। बैठक में पुणे में केंद्रीय सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार (ष्ट्रक्ष्ट्रस्) के संभागीय कार्यालय की स्थापना के लिए केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह और केंद्रीय राज्य मंत्री (सहकारिता) मुरलीधर मोहोल को बधाई देने संबंधी प्रस्ताव पारित किया गया। फेडरेशन लंबे समय से पुणे में ष्ट्रक्ष्ट्रस् का संभागीय कार्यालय स्थापित करने की मांग करता रहा है।

साझा मंच को मजबूत करने पर जोर

फेडरेशन के संस्थापक चेयरमैन सुरेश वाबले ने सदस्य संस्थाओं से फेडरेशन की वार्षिक सदस्यता राशि नियमित रूप से जमा करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि फेडरेशन महाराष्ट्र और कर्नाटक की मल्टी-स्टेट क्रेडिट सोसाइटियों को साझा मंच उपलब्ध कराने और उनके बीच समन्वय बढ़ाने के लिए कार्य करता रहेगा। आमसभा में पिछले वर्ष फेडरेशन की गतिविधियों और कार्यों की समीक्षा की गई तथा आगामी कार्यक्रमों एवं योजनाओं पर चर्चा हुई। बदलते वित्तीय और नियामकीय माहौल को देखते हुए क्रेडिट सहकारी संस्थाओं के कामकाज में पारदर्शिता, जवाबदेही, सुशासन और सदस्य हितों को प्राथमिकता देने की आवश्यकता बताई गई।

बैठक में ये लोग रहे शामिल

बैठक में फेडरेशन के वाइस चेयरमैन प्रो. डॉ. वी.एस. अनकलकोटे पाटिल तथा निदेशक कडू भाऊ काले, विठ्ठल वाडगे, अजिनाथ हजारे, शिवाजीराव कपाले, रवींद्र कानडे, नारायण खंडेकर, मगाराज राठी, सुकुमार पाटिल और जयसिंह पंडित सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विकसित भारत की यात्रा में सहकारिता की भूमिका महत्वपूर्ण



रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित रायपुर द्वारा आदिवासी सदस्य सहकारी शिक्षा योजना अंतर्गत संघ के प्राधिकृत अधिकारी श्री सौरभ शर्मा जी के मार्गदर्शन में दंतेवाड़ा जिले के फुंडरी लेंपस के आश्रित ग्राम बोदली के कृषक सदस्यों का सहकारी प्रशिक्षण पंचायत भवन बोदली के सभागृह में सहकारी प्रशिक्षण संपन्न किया गया ।

प्रशिक्षण के दौरान संघ के प्रशिक्षक श्री विवेक पांडे द्वारा उपस्थित ग्रामीण कृषक सदस्यों को सहकारिता का अर्थ महत्व सिद्धांत के साथ-साथ सहकारी समिति विशेष कर दुग्ध सहकारी समिति के गठन से किसानों की आय दोगुनी करने पर विचार व्यक्त किया गया प्रशिक्षण के दौरान देश की यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी के आवाहन पर वर्ष 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने की यात्रा में सहकारी समितियां की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए प्रत्येक पंचायत में सहकारी समितियां के निर्माण पर चर्चा दी गई ।

प्रशिक्षण वर्ग को बोदली ग्राम पंचायत के सरपंच एवं पूर्व सरपंच श्री राजू राम द्वारा भी संबोधित करते हुए प्रशिक्षण को लाभप्रद मानते हुए जैविक जिला दंतेवाड़ा के किसानों की समस्याओं का भी समाधान लेंपस समिति से चाहा गया। प्रशिक्षण वर्ग को सफल बनाने में लेंपस के प्रबंधक श्री घसीया राम एवं संघ के श्री रोमांचल पाणिग्राही का सहयोग रहा।

गुजरात को-ऑपरेटिव यूनियन का युवतियों के लिए राज्य स्तरीय सेमिनार

- **1,000 से अधिक युवतियों ने लिया हिस्सा, सहकारिता में रोजगार और नेतृत्व के अवसरों पर चर्चा**

अहमदाबाद। गुजरात स्टेट को-ऑपरेटिव यूनियन की ओर से युवतियों के लिए राज्य स्तरीय सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें 1,000 से अधिक युवतियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन गुजरात स्टेट को-ऑपरेटिव यूनियन के चेयरमैन घनश्यामभाई एच. अमीन के नेतृत्व में किया गया।

अपने संबोधन में अमीन ने युवतियों को सहकारिता क्षेत्र से जुड़ने के लिए प्रेरित करते हुए सहकारी संस्थाओं की भूमिका और इस क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार, उद्यमिता एवं नेतृत्व के अवसरों की जानकारी दी।

कई बड़ी हस्तियां हुई शामिल

कार्यक्रम में गुजरात सरकार की राज्य मंत्री दर्शना बेन वाघेला विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुईं। नेशनल एग्रीकल्चरल एंड रूरल डेवलपमेंट बैंक्स फेडरेशन लिमिटेड, नवी मुंबई के चेयरमैन एवं गुजरात स्टेट एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट बैंक लिमिटेड, अहमदाबाद के चेयरमैन डॉलर कोटेचा ने भी कार्यक्रम में



भाग लिया। नेशनल फेडरेशन ऑफ अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक्स एंड क्रेडिट सोसाइटीज लिमिटेड के वाइस चेयरमैन एवं कॉसमॉस को-ऑपरेटिव बैंक के पूर्व चेयरमैन मिलिंद काले ने युवतियों को सहकारिता क्षेत्र की संभावनाओं से अवगत कराया। वहीं, एनसीयूआई, नई दिल्ली की असिस्टेंट डायरेक्टर इंदरप्रीत कौर ने भी अपने विचार साझा किए।

प्रेरणा और नेतृत्व पर जोर

प्रसिद्ध उद्यमी एवं मोटिवेशनल स्पीकर संजय रावल ने महत्वाकांक्षा, आत्मविश्वास और व्यक्तिगत विकास पर प्रेरक संबोधन दिया। उन्होंने युवतियों को अपने लक्ष्यों के प्रति दृढ़ रहने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। सेमिनार में महिलाओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञ सत्र भी आयोजित किए गए। मनीषा पांड्या ने घरेलू हिंसा के प्रति जागरूकता और महिला सुरक्षा पर चर्चा की। रक्षाबेन चौधरी ने दुग्ध सहकारी समितियों के माध्यम से उपलब्ध रोजगार के अवसरों की जानकारी दी। नीरुबेन के. पटेल ने महिला नेतृत्व विकास और सशक्तिकरण पर अपने विचार रखे। उन्होंने आत्मविश्वास, सहभागिता और नेतृत्व क्षमता को महिलाओं के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया।

महिलाओं और युवाओं की भगीदारी बढ़ाने की पहल

सेमिनार ने युवतियों को ज्ञानवर्धन, संवाद, नेटवर्किंग और नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए एक मंच प्रदान किया। कार्यक्रम में इस बात पर जोर दिया गया कि सहकारी संस्थाएं सामुदायिक सेवा के साथ-साथ युवतियों के लिए रोजगार, उद्यमिता, नेतृत्व और सामाजिक विकास के अवसर भी उपलब्ध करा सकती हैं। कार्यक्रम ने सहकारी आंदोलन में महिलाओं और युवाओं की भागीदारी बढ़ाने तथा उन्हें भविष्य के नेतृत्व के लिए तैयार करने की दिशा में सहकारिता की भूमिका को रेखांकित किया।

अपेक्स बैंक ने कमाया 40.86 करोड़ का लाभ, 1708 पदों पर भर्ती की अनुमति

■ **27वीं वार्षिक आमसभा में उपलब्धियों और भविष्य की कार्ययोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई**

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक मर्यादित (अपेक्स बैंक) की 27वीं वार्षिक आमसभा 16 सितंबर 2026 को आयोजित हुई। आमसभा में बैंक की वित्तीय स्थिति, उपलब्धियां एवं भविष्य की कार्ययोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

अपेक्स बैंक के प्राधिकृत अधिकारी श्री केदार नाथ गुप्ता द्वारा बैंक की वित्तीय पत्रक प्रस्तुत करते हुए बताया गया कि बैंक की अंशपूंजी राशि रू. 230.92 करोड़ से बढ़कर रू. 245.14 करोड़, रक्षित निधियां 740.92 करोड़ से बढ़कर 808.48 करोड़ तथा स्वयं की निधियां 460.85 करोड़ से बढ़कर 494.15 करोड़ हो गई हैं। बैंक की अमानत राशि 7,683 करोड़ तथा कार्यशील पूंजी 11,901 करोड़ रही। वित्तीय वर्ष के दौरान अपेक्स बैंक द्वारा 40.86 करोड़ का लाभार्जन किया गया। आमसभा में बैंक की वित्तीय प्रगति एवं विभिन्न गतिविधियों की जानकारी सदस्यों के समक्ष रखी गई।

डिजिटल बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार

अध्यक्षीय उद्बोधन में श्री केदार नाथ गुप्ता ने बताया कि वर्ष 2000 में अपेक्स बैंक की केवल 3 शाखाएं थीं, जो अब बढ़कर 18 शाखाएं हो गई हैं। डिजिटल लेन-



देन को प्रोत्साहित करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक बैंकिंग सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित की जा रही है। इसी क्रम में बैंक द्वारा माइक्रो एटीएम की अधिकतम आहरण सीमा 10,000 से बढ़ाकर 20,000 तथा रुपे केसीसी की अधिकतम साख सीमा 20,000 से बढ़ाकर 40,000 की गई है। भविष्य में डिजिटल बैंकिंग सेवाओं को और अधिक सुलभ बनाने पर जोर दिया जा रहा है। बैंक द्वारा मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, आईएमपीएस, आरटीजीएस एवं नेट बैंकिंग जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके अतिरिक्त एईपीएस/आधार आधारित बैंकिंग सेवा प्रारंभ करने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है।

अब सहकारी बैंक भी करेंगे बीमा कार्य

आमसभा में जानकारी दी गई कि नेशनलाइज्ड एवं निजी बैंकों की तर्ज पर अब अपेक्स बैंक एवं जिला सहकारी केंद्रीय बैंक भी बीमा संबंधी कार्य कर सकेंगे। इसके लिए भारतीय रिजर्व बैंक से अनुमति प्राप्त होने की जानकारी आमसभा में दी गई।

1708 पदों पर भर्ती की अनुमतिः आमसभा में बताया गया कि अपेक्स बैंक एवं जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों में 1708 पदों पर भर्ती की अनुमति आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं, छत्तीसगढ़ से प्राप्त हो गई है। इससे सहकारी बैंकिंग व्यवस्था में मानव संसाधन को सुदृढ़ करने की दिशा में आगे की कार्यवाही की जाएगी।

इनकी रही मौजूदगी

आमसभा में छत्तीसगढ़ आवास सहकारी संघ के संचालक श्री सत्यनारायण शर्मा, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक दुर्ग के श्री प्रीतपाल बेलचंदन, बिलासपुर के अध्यक्ष श्री राजनेश सिंह, जगदलपुर के अध्यक्ष श्री दिनेश कश्यप, अंबिकापुर के अध्यक्ष श्री रामकिशुन सिंह, मार्कफेड के प्राधिकृत अधिकारी श्री शशिकांत द्विवेदी, संचालक संस्थागत वित्त श्री ऋषभ पराशर, संयुक्त आयुक्त सहकारिता श्री उमेश तिवारी, सचिव सहकारिता प्रतिनिधि श्री एन.आर. चंद्रवंशी, अपेक्स बैंक के महाप्रबंधक एवं प्रभारी प्रबंध संचालक श्री युगल किशोर, डीजीएम श्री भूपेश चंद्रवंशी, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक रायपुर की सीईओ श्रीमती अपेक्षा व्यास सहित विभिन्न सहकारी संस्थाओं के प्रतिनिधि, बैंक अधिकारी, कर्मचारी सहकारी साख समितियों के प्रतिनिधि एवं अंशधारी प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

नेफेड ने किया 29,885 करोड़ का कारोबार : 15% लाभांश घोषित, 423 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ

नई दिल्ली। नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफइंडिया (नेफेड) ने वित्त वर्ष 2025-26 में 29,884.72 करोड़ का कारोबार और 423.14 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया। 26 सितंबर को भारत मंडपम, प्रगति मैदान में आयोजित 69वीं वार्षिक आमसभा में सदस्य फेडरेशनों और सहकारी समितियों के लिए 15 प्रतिशत लाभांश घोषित किया गया।

26 सितंबर को नई दिल्ली में नेफेड की 69वीं वार्षिक आमसभा आयोजित हुई, जिसमें देशभर की सदस्य सहकारी समितियों और राज्य फेडरेशनों के 700 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। नेफेड के चेयरमैन जेठाभाई अहीर ने PM-AASHA के तहत PSS, PSF, PDPS और PPSS योजनाओं के क्रियान्वयन में फेडरेशन की भूमिका बताई।

नेफेड पैक्स, सहकारी समितियों और FPO के माध्यम से 50 नए स्टोर स्थापित करने की योजना बना रहा है। प्रीमिक्स चाय, बिस्कुट और जूस जैसे उत्पादों का बाजार भी बढ़ाया जा रहा है। सरकार की FPO प्रोत्साहन पहल के तहत नेफेड 1,274 FPO को हैंडहोल्डिंग सहायता प्रदान कर रहा है। भंडारण योजना के तहत 345



गोदामों को किराए पर लेने का आश्वासन दिया गया है।

मत्स्य और निर्यात

मत्स्य क्षेत्र में नेफेड ने 500 मत्स्य सहकारी समितियों को पुनर्जीवित किया और 50 Fish FPO के गठन में सहायता की। इससे 50 हजार से अधिक किसानों को लाभ मिलने की जानकारी दी गई। नेफेड के उत्पादों को संयुक्त अरब अमीरात और कनाडा जैसे अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाने पर भी जोर दिया जा रहा है।

डिजिटल परिवर्तन की दिशा में नेफेड

नेफेड ने सहकारी क्षेत्र में पारदर्शिता, तकनीकी दक्षता और किसानों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग बढ़ाया है।

प्रमुख डिजिटल पहलें :

ई-समृद्धि – किसान पंजीकरण और आधार-सीडेड DBT की सुविधा

ERP — संस्थागत एवं परिचालन प्रबंधन

NAFEDX.IN – डिजिटल सेवाओं और सूचनाओं तक पहुंच

दृष्टि — निगरानी एवं संचालन संबंधी डिजिटल व्यवस्था

बायोमेट्रिक पंजीकरण — किसानों की पहचान और पंजीकरण को अधिक व्यवस्थित बनाने की पहल

खास बातः PM-AASHA के तहत ई-समृद्धि को NCCF के ई-सम्युक्ति प्लेटफॉर्म से जोड़ने का उद्देश्य किसानों के पंजीकरण और उपज बिक्री के लिए एकीकृत डिजिटल व्यवस्था विकसित करना है।

शाह ने लॉन्च किया 'शी-मार्ट' : महिला सहकारी समितियों के लिए खुले नए अवसर

■ **केरल के कोल्लम में महिला सशक्तीकरण की दिशा में बड़ी पहल**

कोल्लम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सहकार से समृद्धि' के विजन के अनुरूप केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने केरल के कोल्लम स्थित पवित्रम कन्वेंशन सेंटर में महिला सशक्तीकरण और सहकारिता से जुड़ी विभिन्न पहलों का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस तथा पर्यटन राज्य मंत्री सुरेश गोपी सहित सहकारिता क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि मौजूद रहे।

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण 'शी-मार्ट' का शुभारंभ रहा। इसका उद्देश्य महिला स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीण महिला उद्यमियों को बाजार एवं उपभोक्ताओं से सीधे जोड़ना है। अमित शाह ने कहा कि, शी-मार्ट के माध्यम से महिलाओं को प्रोक्योरमेंट, प्रोसेसिंग, ब्रांडिंग, पैकेजिंग और रिटेल मार्केट तक पहुंच के अवसर मिलेंगे।

300 से अधिक शी-मार्ट स्टोर की योजनाः शाह ने बताया कि केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक में



300 से अधिक शी-मार्ट स्टोर स्थापित करने की योजना है। इन स्टोरों में 'भारत' ब्रांड के उत्पादों के साथ स्थानीय उत्पादों को भी बाजार उपलब्ध कराया जाएगा। इस दिशा में एनसीसीएफ और भारत लक्ष्मी सहकारी समिति के बीच समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया गया।

एनसीसीएफ और द सेंट्रल फाइनेंशियल क्रेडिट एंड इन्वेस्टमेंट को-ऑपरेटिव (इंडिया) लिमिटेड के बीच हुए समझौते के बाद 'वनिथम शी-मार्ट शॉप्स' का भी रिमोट माध्यम से लोकार्पण किया गया। इन दुकानों पर 'भारत आटा' और 'भारत चावल' की बिक्री शुरू की गई।

किसानों और उपभोक्ताओं को भी लाभ

कार्यक्रम के दौरान एनसीसीएफ और नेफेड की मोबाइल वैन को 35 रुपये प्रति किलोग्राम की सब्सिडी दर पर प्याज उपलब्ध कराने के लिए हरी झंडी दिखाई गई। इसके अलावा एनसीसीएफ के 'जनः' उत्पादों की बिक्री का भी शुभारंभ किया गया।

महिला किसानों को बीज और छात्रवृत्ति

दलहन में आत्मनिर्भरता मिशन के तहत महिला किसानों को मुफ्त उड़द और चना बीज किट वितरित किए गए। वहीं, नेफेड-कल्याण छात्रवृत्ति योजना के तहत पंजीकृत किसानों की बालिकाओं को छात्रवृत्ति राशि के चेक प्रदान किए गए। अमित शाह ने कहा कि महिला आर्थिक सशक्तीकरण और सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। 'शी-मार्ट' जैसी पहल महिला सहकारी समितियों और ग्रामीण महिला उद्यमियों को बाजार से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में सामने आई है।

मत्स्य क्षेत्र में सहकारिता की भूमिका पर जोर

अमित शाह ने केरल की लंबी तटरेखा, बैकवाटर्स, नदियों और समुद्री परंपरा का उल्लेख करते हुए राज्य में ब्लू इकॉनमी की संभावनाओं पर जोर दिया। उन्होंने उत्पादन से लेकर प्रोसेसिंग, पैकेजिंग, ब्रांडिंग और निर्यात तक मत्स्य क्षेत्र में सहकारी संस्थाओं की भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता बताई।

भैरमगढ़ के महिला समूहों को मिला सहकारी प्रशिक्षण

■ **स्वरोजगार, सहकारिता एवं आर्थिक सशक्तिकरण के बताए गुर**



बीजापुर। भैरमगढ़ लेंपस के आश्रित ग्राम पोंदुम में महिला समूहों एवं ग्रामीण महिला सदस्यों के लिए सहकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित, रायपुर एवं बस्तर जिला सहकारी संघ मर्यादित, जगदलपुर के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

प्रशिक्षण वर्ग में राज्य सहकारी संघ के प्रशिक्षक श्री विवेक पांडे ने महिलाओं को सहकारिता के अर्थ, महत्व, उद्देश्य एवं सहकारी सिद्धांतों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने महिलाओं को लघु एवं कुटीर उद्योगों की स्थापना, स्वरोजगार अपनाने तथा आय के नए साधन विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सहकारी भावना के माध्यम से महिलाएं समूह के रूप में कार्य करते हुए अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकती हैं।

पंजीयन, गठन और संचालन की दी गई जानकारी

वहीं, बस्तर जिला सहकारी संघ के प्रबंधक श्री द्विवेदी ने सहकारी समिति के पंजीयन, गठन एवं संचालन की प्रक्रिया सहित समिति के कार्यों एवं सदस्यों की भूमिका के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को सामूहिक रूप से आर्थिक गतिविधियां संचालित करने, उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करने तथा सहकारिता के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में राज्य सहकारी संघ के श्री रोमांचल पाणिग्राही एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती मीनावती का विशेष सहयोग रहा।

बड़े मुरमा के किसानों को दिया गया सहकारी प्रशिक्षण



■ **आदिवासी सदस्य सहकारी शिक्षा योजना के तहत किसानों को दी गई महत्वपूर्ण जानकारी**

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित, रायपुर के तत्वावधान में 21 सितंबर 2026 को आदिवासी सदस्य सहकारी शिक्षा योजना के अंतर्गत ग्राम बड़े मुरमा में किसानों के लिए सहकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण संघ के सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी श्री विवेकानंद झा द्वारा प्रदान किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान किसानों को सहकारिता के माध्यम से सहकारी ऋण नीति, सहकारिता से समृद्धि तथा सामूहिक आर्थिक विकास के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। किसानों को दुग्ध सहकारी समिति एवं मत्स्य सहकारी समिति के गठन, संचालन तथा सहकारी गतिविधियों के संबंध में भी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

युवाओं को सहकारिता के माध्यम से स्वरोजगार अपनाने की सलाह

प्रशिक्षक श्री झा ने सहकारिता के माध्यम से स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करते हुए आय के नए अवसर विकसित करने पर जोर दिया। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं के लिए सहकारिता के माध्यम से रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर सृजित करने की संभावनाओं की जानकारी दी तथा किसानों एवं युवाओं को सहकारी गतिविधियों से जुड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संघ के संपर्क साधक श्री सूदन मौर्य का विशेष योगदान रहा।

सहकारी समिति के सदस्यों ने लिया सहकारी प्रशिक्षण



बस्तर। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ रायपुर के तत्वावधान में आदिवासी सदस्य सहकारी शिक्षा योजना अंतर्गत 25 सितंबर को आदिम जाति सेवा सहकारी समिति सेमरा के सदस्यों को सहकारी प्रशिक्षण सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी विवेकानंद झाजी द्वारा दिया गया।

प्रशिणार्थियों को समिति के उद्देश्य, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष तथा सदस्यों के अधिकार, कर्तव्य, बैठक का महत्व, संचालक मंडल के कर्तव्य, संस्था में रखे जाने वाले रिकॉर्ड, आमसभा आदि के बारे में जानकारी दिया गया। समिति के प्रबंधक श्री संपद सिंह ने समिति के माध्यम से सदस्यों को दी जाने वाली सुविधाएं सहकारी नीति, बीज, आधुनिक यंत्र ,उर्वरक खाद के बारे में बताया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संपर्क साधक के सुदन मौर्य का सहयोग था।

पोषण बाड़ी से तेजेश्वरी के जीवन में आया बदलाव

खैरागढ़। जिले में संचालित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ आम लोगों तक पहुंचाने के साथ स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का कार्य भी किया जा रहा है। इसी क्रम में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के तहत संचालित खाद्य, पोषण, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता (एफएनएचडब्ल्यू) कार्यक्रम से कोहलाटोला गांव की श्रीमती तेजेश्वरी चंदेल के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। तेजेश्वरी चंदेल साई स्व सहायता समूह, फूलवारी ग्राम संगठन एवं विद्या संकुल संगठन से जुड़ी हैं। वे अपने पति श्री ऋग्वेद चंदेल के साथ कृषि एवं सब्जी उत्पादन का कार्य करती हैं। पहले वे एनीमिया की समस्या से परेशान थीं। कमजोरी और स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों के कारण उपचार पर खर्च भी करना पड़ता था। एफएनएचडब्ल्यू मास्टर ट्रेनर के माध्यम से तेजेश्वरी को संतुलित आहार, पौष्टिक भोजन तथा आंगनबाड़ी केंद्र से मिलने वाले रेडी-टू-ईट खाद्य पदार्थों के उपयोग की जानकारी मिली। उन्हें घर में पोषण बाड़ी विकसित करने के महत्व के बारे में भी बताया गया। कृषि सखी के मार्गदर्शन में उन्होंने अपने घर में पोषण बाड़ी तैयार की।

अब पोषण बाड़ी में उगने वाली ताजी हरी एवं मौसमी सब्जियां उनके परिवार के भोजन का नियमित हिस्सा बन रही हैं। इससे भोजन में पोषण और विविधता बढ़ी है तथा बाजार से सब्जियां खरीदने पर होने वाला खर्च भी कम हुआ है। नियमित पौष्टिक आहार अपनाने से तेजेश्वरी के स्वास्थ्य में भी सुधार आया है।

सहकारिता से समृद्धि की ओर बढ़ने का कृषकों को मिला प्रशिक्षण

■ **चापापदर में कृषक सदस्यों को सहकारिता के माध्यम से आय बढ़ाने के बताए गए उपाय**



जगदलपुर। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित, रायपुर के संभागीय कार्यालय जगदलपुर के तत्वावधान में जिला बस्तर के ग्राम चापापदर स्थित पंचायत भवन परिसर में कृषक सदस्य भाइयों के लिए सहकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का संचालन संघ के प्रशिक्षक श्री मितेश पाणिग्राही द्वारा किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान कृषक सदस्यों को सहकारिता का अर्थ, महत्व, सिद्धांत, उद्देश्य, उद्भव एवं विकास तथा सहकारी ढांचे की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इसके साथ ही सदस्यता, सदस्यों के अधिकार एवं कर्तव्य, सहकारी समिति की बैठकों, पंजीयन प्रक्रिया तथा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं प्रबंधक के कार्यों के संबंध में भी जानकारी प्रदान की गई। प्रतिभागियों को आमसभा एवं ऋण नीति की प्रक्रिया से भी अवगत कराया गया।

बताए गए किसानों को आय बढ़ाने के कई उपाय

प्रशिक्षक श्री पाणिग्राही ने 'सहकार से समृद्धि' की भावना को अपनाते हुए सहकारी गतिविधियों के माध्यम से कृषकों की आय बढ़ाने के विभिन्न अवसरों पर चर्चा की। उन्होंने मछली पालन, बकरी पालन, गौ-पालन एवं व्यवसाय विकास जैसी गतिविधियों को समूह आधारित स्वरोजगार के रूप में अपनाकर जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए प्रेरित किया। प्रशिक्षण में कृषक सदस्यों ने सहकारिता के माध्यम से सामूहिक रूप से आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करने की दिशा में जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम को सफल बनाने में संघ के संपर्क साधक श्री करुणाकर मंडन का विशेष सहयोग रहा।

धान खरीदी की तैयारियां तेज, 362 नए उपार्जन केंद्रों पर रहेगा विशेष फोकस

■ **बारदाना, संग्रहण, परिवहन और चावल जमा व्यवस्था की जिलेवार समीक्षा**



रायपुर। खरीफविपणन वर्ष 2026-27 में धान खरीदी को लेकर राज्य में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित के प्राधिकृत अधिकारीश्री शशिकांत द्विवेदीकी अध्यक्षता में जिला विपणन अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी धान खरीदी की तैयारियों के साथ पिछले वर्षों की खरीदी, धान निराकरण, चावल जमा, सूखत और परिवहन सहित विभिन्न विषयों की जिलेवार समीक्षा की गई।

बैठक में 2 अप्रैल 2026 को आयोजित समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों के पालन की स्थिति की जानकारी ली गई। खरीफविपणन वर्ष 2025-26 में उपार्जित धान के निराकरण, एफसीआई एवं नान में चावल जमा करने तथा लेखा मिलान की प्रगति की भी समीक्षा की गई। इसके साथ ही खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 में सामने आई धान की सूखत की स्थिति पर भी अधिकारियों से जानकारी ली गई।

362 नए उपार्जन केंद्रों की व्यवस्था

आगामी धान खरीदी के लिए362 नए धान उपार्जन केंद्रोंपर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में बारदानों की उपलब्धता, संग्रहण केंद्रों की तैयारी तथा मुख्यालय और जिला स्तर पर जारी निविदाओं की स्थिति की समीक्षा की गई। इसके अलावा वर्ष 2023-24, 2024-25 और 2025-26 में धान परिवहन तथा बारदाना सुरक्षा एवं रख-रखाव के लिए किए गए भुगतान की जिलेवार स्थिति की भी जानकारी ली गई। आगामी खरीदी वर्ष के लिए आवश्यक वित्तीय व्यवस्था पर भी अधिकारियों के साथ चर्चा की गई।

किसानों की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता

श्री शशिकांत द्विवेदी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 से संबंधित सभी तैयारियां निर्धारित समय-सीमा में पूरी की जाएं। उन्होंने कहा कि धान खरीदी केंद्रों पर किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। लंबित कार्यों का शीघ्र निराकरण करते हुए खरीदी व्यवस्था कोसुचारू, पारदर्शी और व्यवस्थितबनाए रखने के निर्देश दिए गए। इस समीक्षा बैठक का उद्देश्य आगामी धान खरीदी सीजन से पहले उपार्जन केंद्रों, बारदाना, परिवहन, संग्रहण और भुगतान से जुड़ी व्यवस्थाओं को समय पर मजबूत करना है, ताकि किसानों को धान बिक्री के दौरान बेहतर सुविधा मिल सके।

कृभको का शानदार प्रदर्शन : वित्त वर्ष 2025-26 में 825 करोड़ रुपये का अर्जित किया लाभ



नई दिल्ली। कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड (कृभको) ने वित्त वर्ष 2025-26 में मजबूत वित्तीय और परिचालन प्रदर्शन दर्ज करते हुए 824.68 करोड़ रुपये का कर-पूर्व लाभ अर्जित किया है। इस प्रदर्शन के आधार पर कृभको ने अपनी सदस्य सहकारी समितियों की इक्विटी पूंजी पर 20 प्रतिशत लाभांश घोषित किया। नई दिल्ली स्थित द अशोक होटल में आयोजित कृभको की 46वीं वार्षिक आमसभा की अध्यक्षता कृभको के चेयरमैन वी. सुधाकर चौधरी ने की। आमसभा में निदेशक मंडल के सदस्यों के साथ देशभर की सदस्य सहकारी समितियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

उत्पादन और परिचालन के क्षेत्र में भी बेहतर प्रदर्शन

वित्त वर्ष के दौरान कृभको ने उत्पादन और परिचालन के क्षेत्र में भी बेहतर प्रदर्शन किया। संस्था ने 21.34 लाख मीट्रिक टन यूरिया का उत्पादन किया और 97.26 प्रतिशत क्षमता उपयोग हासिल किया। वहीं अमोनिया का उत्पादन 12.39 लाख मीट्रिक टन रहा तथा क्षमता उपयोग 99.36 प्रतिशत दर्ज किया गया। कृभको ने वर्ष के दौरान यूरिया तथा फॉस्फेट एवं पोटाश (पीएंडके) उर्वरकों सहित कुल 45.37 लाख मीट्रिक टन उर्वरकों की बिक्री की। इसके उत्पाद पोर्टफोलियो में नीम कोटेड यूरिया, आयातित डीएपी, एमएपी, एमओपी, कॉम्प्लेक्स उर्वरक, जैव उर्वरक, कंपोस्ट, प्रमाणित एवं हाइब्रिड बीज, एसएसपी, जिंक सल्फेट, प्राकृतिक पोटाश, माइकोराइजा और समुद्री शैवाल आधारित जैव-उत्तेजक शामिल रहे।

सहायक कंपनियों का भी मजबूत प्रदर्शन

कृभको की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी कृभको फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (केएफएल) ने भी वित्त वर्ष के दौरान उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। केएफएल ने 11.02 लाख मीट्रिक टन यूरिया और 6.68 लाख मीट्रिक टन अमोनिया का उत्पादन किया। कंपनी ने क्रमशः 127.48 प्रतिशत और 133.16 प्रतिशत क्षमता उपयोग हासिल किया तथा वर्ष के लिए 14.40 करोड़ रुपये का लाभांश घोषित किया।

482.54 करोड़ रुपये का किया निर्यात

कृभको के प्रबंध निदेशक एस.एस. यादव ने कहा कि, कृभको और उसकी सहायक कंपनियों ने वर्ष के दौरान उत्पादन तथा परिचालन दक्षता के उच्च मानकों को बनाए रखा। कृभको एग्री बिजनेस लिमिटेड ने भी समूह के प्रदर्शन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 में 1,919.35 करोड़ रुपये का कारोबार दर्ज किया। इसमें घरेलू कारोबार 1,436.81 करोड़ रुपये और निर्यात

सहकारिता मंत्रालय में कुमार राम कृष्ण की प्रतिनियुक्ति दो वर्ष बढ़ी

नई दिल्ली। कैबिनेट की नियुक्ति समिति (ACC) ने कुमार राम कृष्ण, आईओएफएस (2010) की केंद्रीय प्रतिनियुक्ति अवधि को दो वर्ष के लिए बढ़ाने की मंजूरी दी है। कृष्ण वर्तमान में सहकारिता मंत्रालय में निदेशक के पद पर कार्यरत हैं।

कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (DoPT) की ओर से 25 सितंबर 2026 को जारी कार्यालय ज्ञापन के अनुसार, उनकी विस्तारित प्रतिनियुक्ति अवधि 18 जनवरी 2027 से 17 जनवरी 2029 तक प्रभावी रहेगी। कुमार राम कृष्ण 18 जनवरी 2022 से केंद्रीय स्टाफिंग योजना के तहत केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं। सहकारिता मंत्रालय में वे सहकारी बैंकों से संबंधित प्रभाग का कार्य देख रहे हैं।

प्रतिनियुक्ति अवधि बढ़ाने का निर्णय सहकारिता मंत्रालय के प्रस्ताव के आधार पर लिया गया है। मंत्रालय ने 6 अगस्त 2026 के



कार्यालय ज्ञापन के माध्यम से उनके कार्यकाल को आगे जारी रखने का प्रस्ताव भेजा था। प्रतिनियुक्ति के विस्तार के बाद कुमार राम कृष्ण अगले दो वर्षों तक सहकारिता मंत्रालय में निदेशक के रूप में अपनी वर्तमान जिम्मेदारियां संभालते रहेंगे।

एनसीसीएफ और सीएफसीआईसीआई ने किया एमओयू

नई दिल्ली। नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन (एनसीसीएफ) और द सेंट्रल फाइनेंशियल क्रेडिट एंड इन्वेस्टमेंट को-ऑपरेटिव (इंडिया) लिमिटेड (सीएफसीआईसीआई) ने सहकारी रिटेल नेटवर्क को मजबूत करने और उपभोक्ताओं तक सहकारी उत्पादों की पहुंच बढ़ाने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में हुए इस एमओयू का उद्देश्य सहकारी संस्थाओं के उत्पादों के लिए व्यापक बाजार और मजबूत रिटेल नेटवर्क तैयार करना है। इस पहल के तहत एनसीसीएफने अपने 'जनः' उत्पादों की बिक्री भी शुरू की। इसी अवसर पर एनसीसीएफ और सीएफसीआईसीआई के सहयोग से विकसित 'वनिथम शी-मार्ट शॉप्स' का रिमोट माध्यम से लोकार्पण किया गया। इन शॉप्स के माध्यम से उपभोक्ताओं, विशेषकर महिलाओं, को सहकारी संस्थाओं के उत्पादों तक आसान पहुंच उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया है। वनिथम शी-मार्ट शॉप्स में 'भारत आटा' और 'भारत चावल' की बिक्री भी शुरू की गई। इससे सहकारी उत्पादों को सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के साथ महिला-केंद्रित रिटेल नेटवर्क को बढ़ावा देने की दिशा में पहल की गई है।

मत्स्य उत्पादों की सप्लाई चेन पर भी समझौता : सहकारी रिटेल के साथ-साथ एनसीसीएफने भारतीय मत्स्य प्रवर्तक संघम के साथ भी एक अलग एमओयू किया है। इसका उद्देश्य मत्स्य उत्पादों की सप्लाई चेन को एकीकृत करना और मत्स्य क्षेत्र से जुड़े उत्पादों के विपणन एवं वितरण को अधिक व्यवस्थित बनाना है।

बैंक की 111वीं वार्षिक आमसभा प्रीतपाल बेलचंदन की अध्यक्षता में सम्पन्न

दुर्ग। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, दुर्ग की 111वीं वार्षिक साधारण सभा 28 सितंबर 2026 को दोपहर 12 बजे स्वामी विवेकानंद हॉल, सांस्कृतिक भवन, दुर्ग में बैंक के अध्यक्ष माननीय श्री प्रीतपाल बेलचंदन की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। आमसभा में बैंक से संबद्ध सहकारी समितियों के प्राधिकृत अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

आमसभा की कार्यवाही प्रारंभ करते हुए बैंक अध्यक्ष श्री प्रीतपाल बेलचंदन ने बैंक का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025-26 में बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक एवं नाबार्ड द्वारा निर्धारित मापदण्डों के अनुरूप अंकेक्षण में 'अ' वर्ग प्राप्त किया है।

बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री एस.के. वर्मा ने वार्षिक लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि बैंक ने वर्ष 2025-26 में 155.80 करोड़ रुपये का सकल लाभ



अर्जित किया है। बैंक द्वारा सभी आवश्यक प्रावधान किए जाने के पश्चात 55.00 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया गया। वार्षिक आमसभा में बैंक की सदस्य समितियों को 12.74 करोड़ रुपये लाभांश भुगतान किए जाने का निर्णय लिया गया। बैंक के वित्तीय पत्रकों एवं अन्य प्रस्तावों को उपस्थित प्रतिनिधियों द्वारा सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई।

समितियों के प्रतिनिधियों ने रखीं विभिन्न मांगें

आमसभा में उपस्थित प्रतिनिधियों ने सहकारी समितियों से संबंधित विभिन्न समस्याओं एवं मांगों को प्रमुखता से रखा। श्री पवन जैन, समिति अहिवारा ने निवेश ऋण पर ब्याज दर 12 प्रतिशत से घटाकर 3 प्रतिशत किए जाने, समितियों में प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत सोलर पैनल लगाए जाने, खाद गोदाम ऋण पर 50 प्रतिशत अनुदान दिए जाने तथा धान खरीदी से पूर्व त्रिपक्षीय अनुबंध किए जाने की मांग रखी।

श्री योगेन्द्र दिल्लीवार, दाउ ढाल सिंह साख समिति ने निवेश ऋण की सीमा बढ़ाने, निवेश ऋण में समितियों को ब्याज पर 2 प्रतिशत कमीशन देने, व्यापारिक गतिविधियों के लिए ऋण उपलब्ध कराने तथा दैनिक वेतन कर्मचारियों को वर्ष 2024-25 का बोनस दिए जाने की मांग की। उन्होंने 10 वर्ष से अधिक समय से कार्यरत दैनिक वेतन कर्मचारियों के नियमितीकरण अथवा वेतन वृद्धि के लिए प्रयास किए जाने की मांग भी रखी। श्री संजीव तिवारी, समिति देवरबीजा ने प्रबंधकीय शुल्क 2.50 प्रतिशत से घटाकर 1.50 प्रतिशत किए जाने, समितियों के कालातीत ऋणों की वसूली के लिए विशेष अभियान चलाने तथा धान का परिवहन समय पर कराने की मांग की। श्री रऊफ कुरैशी, अल्पसंख्यक समिति दुर्ग ने क्रेडिट समितियों को रियायती दर पर ऋण उपलब्ध कराने तथा फिक्स डिपॉजिट पर प्रचलित दर से 1 प्रतिशत अधिक ब्याज दिए जाने की मांग रखी। साथ ही मुख्यमंत्री एवं सहकारिता मंत्री के अभिनंदन के लिए सहकारी सम्मेलन आयोजित किए जाने का सुझाव दिया।

सहकारी बैंक मुख्यालय दुर्ग में जलाया गया 'आशीर्वाद का दीया'

दुर्ग। प्रधान कार्यालय दुर्ग में 17 सितंबर को देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के सार्वजनिक जीवन के 25 गौरवशाली वर्ष पूर्ण होने और उनका जन्मदिन मनाया गया। बैंक के प्रधान कार्यालय परिसर में सायं 7 बजे 501 आर्शीवाद का दीया प्रीतपाल बेलचंदन जी अध्यक्ष की उपस्थिति में जलाया गया। जैसा कि विदित है 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर 2026 तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत 17 सितंबर को आशीर्वाद का दीया जलाया गया एवं लड्डू बांटकर खुशियां मनाई गयी।

पीएम मादी के सार्वजनिक जीवन में शानदार 25 साल पूरे : बेलचंदन

इस अवसर पर प्रीतपाल बेलचंदन जी अध्यक्ष द्वारा अपने उद्बोधन में माननीय नरेंद्र मोदी जी के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए बताया कि, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के



सार्वजनिक जीवन के 25 गौरवशाली वर्ष (7 अक्टूबर 2001 - 2026) भारत के राजनीतिक इतिहास में एक स्वर्णिम और अभूतपूर्व अध्याय हैं। इस ऐतिहासिक मील के पत्थर को चिह्नित करने के लिए पूरे देश में सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। उनकी यह यात्रा 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने से शुरू हुई थी और वर्ष 2014 से निरंतर भारत के प्रधानमंत्री के रूप में राष्ट्र सेवा में जारी है जो कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में बिना किसी ठहराव के निरंतर लोकतांत्रिक रूप से सरकार के प्रमुख के रूप में 7 अक्टूबर 2026 को 25 वर्ष पूरे करने वाले वे पहले लोकप्रिय नेता है।

दुर्ग, बालोद व बेमेतरा जिलों के सभी समितियों में कार्यक्रम

इस अवसर में श्री बेलचंदन जी के आग्रह पर दुर्ग, बालोद व बेमेतरा जिलों के सभी 402 सेवा सहकारी समिति और 75 बैंक ब्रांचों में जनप्रतिनिधियों व कर्मचारियों द्वारा भी दीपोत्सव कर बधाईयां व शुभकामनाएं प्रेषित किया। इस अवसर पर श्री एस.के.वर्मा मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा कहा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76 वें जन्मदिन पर आर्शीवाद का दिया जलाने एकत्रित हुए है एवं पूरे देश में सेवा संकल्प अभियान के रूप में मना रही है। यह अभियान उनके 25 वर्षों के जन-कल्याण और राष्ट्र निर्माण के कार्यों को समर्पित है।

कार्यक्रम में इनकी भी रही मौजूदगी: कार्यक्रम में श्री एस.के.वर्मा मुख्य कार्यपालन अधिकारी, श्री एस.पी.अग्रवाल अधिवक्ता, बैंक अधिकारी श्री हृदेश शर्मा, श्री एस.के.निवसरकर, श्री हृदेश शर्मा, सुश्री कुसुम ठाकुर, श्री के.के.नायक, श्री रोहित वर्मा, श्री धीरेन्द्र देवांगन, श्री एस.पी.वाहने, ए.एस.खान, युवराज चंद्राकर, चंद्रशेखर मानिकपुरी, पुष्पा चंद्राकर, पूर्णिमा साहू, विनीत वर्मा, रोहित यादव, विजय वर्मा, कमल वर्मा सहित प्रधान कार्यालय एवं शाखा दुर्ग के समस्त अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहें।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था में हाथकरघा उद्योग की भूमिका महत्वपूर्ण : भोजराम

कुरूद। जिला स्तरीय बुनकर सहकारी समितियों के पदाधिकारियो एवं सदस्यों का एकदिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन साहू समाज भवन ग्राम भुसरेंगा में जिला सहकारी संघ धमतरी द्वारा 18 सितंबर को किया गया।

अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य विकास एवं विपणन सहकारी संघ मर्यादित भोजराम देवांगन ने कार्यक्रम में उपस्थित बुनकर साथियों को नमन करते हुए कहा कि, आपके हाथ केवल धागे नहीं बुनते, बल्कि हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, परंपरा और कला को कपड़ों के रूप में जीवित रखते हैं। उन्होंने वर्ष भर के लिए सभी बुनकर समितियों को कार्य आदेश प्रदान करने तथा आने वाली कठिनाइयों व समस्याओं को हर संभव हल करने आश्वस्त किया। नई सोच व नवाचार से प्रगति के साथ ही मेक इन इंडिया के तहत स्वदेशी अपनाने अपील के साथ कहा कि आज का दौर तकनीक और बदलाव का दौर है। हमारी सरकार पूरी तरह आपके साथ खड़ी है, ताकि आपकी मेहनत का सही मोल मिल सके।

बुनकर कपड़ा नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति बुनते हैं : गीतेश्वरी

गीतेश्वरी साहू ने कहा कि, बुनकर भाई-बहन कपड़ा नहीं भारतीय संस्कृति के परंपरा को बुनते हैं। आपकी हर बुनाई में जो लगन और श्रम छिपा है वही हमारे देश के



हाथ करघा उद्योग की असली पहचान है। भारत में हाथकरघा उद्योग न केवल देश का बड़ा कुटीर उद्योग है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि के बाद दूसरा सबसे बड़ा महत्वपूर्ण रोजगार प्रदाता क्षेत्र भी है।

बुनकरी प्राचीन-गौरवशाली परंपरा वाला व्यवसाय : अवध देवांगन

अवध देवांगन ने कहा कि, भारत में बुनकर व्यवसाय एक प्राचीन और गौरवशाली परंपरा वाला व्यवसाय है। लाखों परिवार इस व्यवसाय से जुड़े हैं, लेकिन बाजार तकनीक और पूंजी की समस्याओं के तहत हाथकरघा व्यवसाय समस्याओं से संघर्ष कर रहा है। बुनकरों की सबसे बड़ी समस्या कच्चे माल की अनिश्चितता, पावरलूम से प्रतिस्पर्धा, कार्यशील पूंजी की कमी, आधुनिकता एवं प्रशिक्षण का अभाव है, जिसका समाधान आधुनिक करघो का उपयोग, कच्चे माल की उचित कीमत पर उपलब्धता, सरकारी योजनाओं का लाभ, प्रमाणन और ब्रांडिंग प्रमुख है।

इनकी रही मौजूदगी

भोजराम देवांगन अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य विकास एवं विपणन सहकारी संघ मर्यादित, छत्तीसगढ़ के मुख्य आतिथ्य, गीतेश्वरी साहू अध्यक्ष जनपद पंचायत कुरूद की अध्यक्षता एवं ललिता साहू सरपंच ग्राम पंचायत भुसरेंगा के विशिष्ट आतिथ्य एवं सुदामाराम देवांगन अध्यक्ष अभिनव बुनकर सहकारी समिति बिजनापुरी, मेमचंद देवांगन अध्यक्ष विकास हाथकरघा बुनकर सहकारी समिति कुरुद, रोशनलाल देवांगन अध्यक्ष शुभम बुनकर सहकारी समिति बकली, सी पी साहू प्राधिकृत अधिकारी जिला सहकारी संघ धमतरी, अनुज साहू अध्यक्ष साहू समाज ग्राम भुसरेंगा, अवध देवांगन सचिव छत्तीसगढ़ राज्य शिल्पी संघ रायपुर की गरिमामयी उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

किसानों के लिए सहकारिता और सोसायटी महत्वपूर्ण : मोतीलाल साहू

■ सहकारी समिति सेजबहार में भव्य किसान सम्मान समारोह

रायपुर। ग्राम सेजबहार स्थित ग्रामीण सेवा सहकारी समिति मर्यादित सेजबहार द्वारा बुधवार, 23 सितंबर को भव्य किसान सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के दौरान सहकारिता सप्ताह के अंतर्गत शाला स्तर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं-चित्रकला, निबंध आदि में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को भी सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र में समिति की वार्षिक साधारण आमसभा आयोजित की गई, जिसमें निर्धारित एजेंडा के अनुसार संस्था के वार्षिक वित्तीय पत्रकों को स्वीकृति प्रदान की गई। समिति के अध्यक्ष श्री हिमाचल प्रसाद साहू ने उपस्थित अतिथियों एवं सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में आयोजित किसान सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि रायपुर ग्रामीण विधायक श्री मोतीलाल साहू ने कहा कि किसानों के लिए सहकारिता और सहकारी समिति का महत्वपूर्ण स्थान है। खेती-किसानी में सहकारी समिति किसान की सच्ची साथी है। उन्होंने समिति के धान खरीदी केंद्र में क्रांकीटीकरण कार्य मंडी बोर्ड के माध्यम से कराने के लिए पहल करने की घोषणा की।

नैनो उर्वरकों के उपयोग की सलाह: समारोह के विशिष्ट अतिथि मार्कफेड के अध्यक्ष श्री शशिकांत द्विवेदी ने किसानों से रासायनिक खाद यूरिया एवं डीएपी के स्थान पर जैविक खाद, नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी के उपयोग के लिए आग्रह किया। रायपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री नंदकुमार साहू ने भी किसानों को जैविक खाद के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया। सेजबहार के सरपंच श्री कोमल जांगड़े ने ग्राम पंचायत में संचालित विकास कार्यों की जानकारी दी। जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री संदीप यादव ने धान खरीदी केंद्र सेजबहार एवं बोरियाकला में किसानों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वाटर कूलर प्रदान करने की घोषणा की। कार्यक्रम में इफ्को एमसी से श्री मनीष सिंह ने वर्तमान धान फसल में होने वाले कीट प्रबंधन तथा फसल सुरक्षा के संबंध में किसानों को विस्तारपूर्वक जानकारी दी।





सहकारिता सप्ताह के दौरान किया गया था आयोजन

उल्लेखनीय है कि 5, जुलाई 2026 को सहकारिता सप्ताह के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ एवं ग्रामीण सेवा सहकारी समिति मर्यादित सेजबहार के तत्वावधान में शासकीय हाई स्कूल सेजबहार में निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार के रूप में घड़ी एवं प्रशस्ति पत्र छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ द्वारा प्रदान किए गए। इसी क्रम में किसान सम्मान समारोह के दौरान प्रतिभाशाली छात्राओं को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जिला सहकारी संघ की प्रबंधक श्रीमती मंजूषा तिवारी एवं राज्य सहकारी संघ की ओर से सहकारी प्रशिक्षक **श्री राजेश साहू** उपस्थित रहे।

किसानों का किया गया सम्मान: समिति द्वारा किसानों को गमछा, श्रीफल, फलदार वृक्ष एवं पानी की बोतल भेंट कर सम्मानित किया गया। वहीं समिति के अध्यक्ष श्री हिमाचल साहू ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों को श्रीफल, शॉल एवं स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया। सहकारी समिति सेजबहार के सुंदर कार्यालय भवन परिसर एवं प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्र के बड़ी संख्या में किसान भाई-बहन, सहकारिता क्षेत्र के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन समिति के प्रबंधक श्री विजय कुमार ठाकुर ने किया, जबकि संचालन पूर्व शाखा प्रबंधक श्री रमेश शर्मा ने किया।

निबंध एवं चित्रकला स्पर्धा के विजेता छात्र-छात्राओ का सम्मान: छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ द्वारा अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता एवं चित्रकला प्रतियोगिता के विजेता छात्र-छात्राओं को माननीय मुख्य अतिथि मोतीलाल साहू जी विधायक, नंद कुमार साहू जी अध्यक्ष RDA, शशिकांत द्विवेदी जी अध्यक्ष मार्कफेड, संदीप यदु जी जिला पंचायत उपाध्यक्ष एवं अन्य गणमान्य अतिथियों के बीच ग्रामीण सेवा सहकारी समिति सेजबहार द्वारा आयोजित आमसभा एवं सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया।

लक्ष्मी महिला नागरिक सहकारी बैंक की 32 वीं वार्षिक आमसभा संपन्न

रायपुर। लक्ष्मी महिला नागरिक सहकारी बैंक मर्या. रायपुर की 32 वीं वार्षिक आमसभा मिलेनियम प्लाजा काम्पलेक्स जी.ई. रोड रायपुर स्थित बैंक परिसर में 20 सितंबर को आयोजित की गई।

बैंक अध्यक्ष श्रीमती सत्यबाला अग्रवाल ने वर्ष 1994 में बड़े संघर्ष एवं अथक परिश्रम से कुछ महिलाओं को साथ लेकर 15 लाख रु. की अल्प पूंजी के साथ छत्तीसगढ़ राज्य की इस प्रथम महिला नागरिक सहकारी बैंक की स्थापना की, जो आज बढ़ते हुए लगभग 16,500 सदस्यों तक पहुँच गई है। बैंक की उत्तरोत्तर प्रगति बैंक अध्यक्ष श्रीमती सत्यबाला अग्रवाल के अथक प्रयासों से ही संभव हो सकी है। उस समय जब महिलाओं का अपने घरों से बाहर निकलना मुश्किल हुआ करता था, ऐसे समय में श्रीमती सत्यबाला अग्रवाल ने कुछ महिलाओं को साथ लेकर गली, मोहल्लों व घर-घर जाकर लोगो से व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर लक्ष्मी महिला नागरिक सहकारी बैंक की स्थापना के अपने संकल्प को पूरा किया। बैंकिग के क्षेत्र में महिलाओं को सीधे सम्बद्ध कर उन्हें विकास की मुख्य धारा से जोडने एवं उन्हें आर्थिक रूप से स्वालंबी बनाने में श्रीमती अग्रवाल की अग्रणी भूमिका रही है। इन सब उपलब्धियों को दृष्टिगत रखते हुए श्रीमती सत्यबाला अग्रवाल को राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अनेक पुरस्कारों एवं सम्मानो से समय-समय पर पुरस्कृत किया गया है।



गाया गया सहकारिता गीत

32वीं वार्षिक आमसभा का शुभारंभ बैंक अध्यक्ष श्रीमती सत्यबाला अग्रवाल व संचालक मण्डल के सदस्यों के द्वारा दीप प्रज्जवलन कर किया गया जिसके पश्चात् सहकारिता गीत का गायन श्रीमती नर्मदा वर्मा एवं श्रीमती स्वाति अमिन के द्वारा किया गया। बैंक अध्यक्ष श्रीमती अग्रवाल जी ने कार्यक्रम के उद्बोधन में सभी सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया एवं अपनी यात्रा की इस कड़ी में 32 वर्ष पूर्व की अपनी स्मृतियों का उल्लेख करते हुए विभिन्न कठिनाईयों के बावजूद अपनी कभी न हार मानने की जिद व छत्तीसगढ़ में महिलाओं द्वारा संचालित प्रथम बैंक की स्थापना की चुनौतियों को विशेष रूप से याद करते हुए जीवन की सफलता का मूलमंत्र दिया कि केवल स्वप्न देखने से कार्य सफल नहीं होते, उनके लिए अनवरत् प्रयास करना आवश्यक होता है। श्रीमती अग्रवाल जी ने बैंक के संचालक मण्डल के सदस्यों, सीईओ एवं कर्मचारियों द्वारा कदम से कदम मिलाकर बैंक की उन्नति में सहयोग प्रदान करने के लिए धन्यवाद दिया।

उपलब्धियां और प्रस्तावित बजट की दी गई जानकारी

लक्ष्मी महिला नागरिक सहकारी बैंक के प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी राहूल कुमार जैन द्वारा बैंक की वर्ष 2025-2026 की उपलब्धियों व वर्ष 2027-28 हेतु प्रस्तावित बजट व वार्षिक कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान की व साथ ही बताया कि 31.03.2026 को बैंक की अंश पूंजी 489.46 लाख रु., डिपॉजिट 13343.36 लाख रु. ऋण एवं अग्रिम 7722.30 लाख रु.. कार्यशील पूंजी 16681.15 लाख रु. रही तथा बैंक का शुद्ध लाभ 35.07 लाख रु. रहा। बैंक का सीआरएआर 25.11% है, उन्होंने वर्ष 2026-27 के लिए प्रगति प्रतिवेदन का विवरण प्रस्तुत किया। बैंक अपने ग्राहकों को सी.बी.एस. के माध्यम से RTGS, NEFT, एटीएम कार्ड, मोबाईल बैंकिंग, आई.एम.पी.एस. एवं स्रूस्, की सुविधा प्रदान कर रही है। मंच संचालन बैंक प्रबंधक श्री संजय शर्मा के द्वारा किया गया। बैंक संचालक मण्डल की वरीष्ठ संचालक श्रीमती नर्मदा वर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया।

आमसभा में इनकी रही उपस्थिति

आमसभा में लक्ष्मी महिला नागरिक सहकारी बैंक की उपाध्यक्ष श्रीमती शांति अग्रवाल, संचालक, श्रीमती ज्योति अग्रवाल, श्रीमती नीलम अग्रवाल, श्रीमती मुक्ति देवांगन, श्रीमती प्रेरणा भंडारी, श्रीमती कुसुम सिंघानिया, श्रीमती नर्मदा वर्मा, श्रीमती मधू पटले, से.नि. मुख्यकार्यपालन अधिकारी श्री मनजीत सिंह हूरा सपत्निक श्रीमती अकविन्दर कौर हूरा एवं बैंक के सदस्य श्री डी.एल. गुप्ता, श्रीमती रेखा गुप्ता एवं श्री अमन अडवानी तथा बैंक सदस्य एवं बैंक अधिकारी/कर्मचारी जिनमें प्रबंधक श्री संजय शर्मा, सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर श्री महेश शर्मा, शाखा प्रबंधक श्रीमती संगीता राजपूत, श्री पंकज सिंह ठाकुर, श्री दीपक सिंह ठाकुर, श्रीमती स्वाति अमीन, श्रीमती स्वाति शर्मा, श्री विभाष कुमार शर्मा, श्री अविषेक मोहन, श्रीमती प्रीति श्रीवास, कु. जया निषाद, कु. प्रिया राजपूत, श्रीमती मीना आचार्या, व श्री दिलीप चौधरी, प्रशांत श्रीवास्तव, सुरज बारले एवं सफुरा कुर्रे आदि उपस्थित थे।

बस्तर में राष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन : 8 से 9 अक्टूबर तक जगदलपुर में पहली बार होगा आयोजन

जगदलपुर। बस्तर में आगामी 8 से 9 अक्टूबर तक जगदलपुर में 'राष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन' सह कार्यशाला आयोजित होने जा रहा है। तैयारियों को लेकर शुक्रवार को कलेक्टोरेट स्थित आस्था कक्ष में समीक्षा बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता सहकारिता सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना ने की। उनके साथ पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, रमेश शर्मा भी मौजूद रहे। बैठक में सम्मेलन को व्यवस्थित और सफल बनाने के लिए विभिन्न विभागों की तैयारियों की समीक्षा की गई।

अपने- अपने दायित्वों को गंभीरता से निभाएं: सहकारिता सचिव ने आयोजन से जुड़े अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं निर्धारित समय-सीमा में पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि, सम्मेलन में बाहर से आने वाले प्रतिभागियों और अतिथियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। इसके लिए विभागीय एवं प्रशासनिक स्तर पर बेहतर समन्वय जरूरी है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों को गंभीरता से पूरा करने के निर्देश दिए।



तैयारियों की निगरानी के निर्देश : उन्होंने तैयारियों की लगातार निगरानी करने के निर्देश भी दिए। बैठक में कलेक्टर एवं एसपी शलभ सिन्हा, जिपं सीईओ तन्मय खन्ना, अपर कलेक्टर सी. पी. बघेल, नगर निगम आयुक्त प्रवीण, सभी अनुविभागीय दंडाधिकारी, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, तथा जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री के. एस. ध्रुव सहित सहकारिता विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

मोहोल ने जोल्ले परिवार के सहकारी आंदोलन में योगदान की सराहना

■ सहकारी चीनी मिलों, बैंकों और क्रेडिट सोसाइटियों के माध्यम से योगदान का उल्लेख

बेलगावी। केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने कर्नाटक के सहकारिता आंदोलन में अन्नासाहेब जोल्ले और उनकी पत्नी शशिकला जोल्ले के योगदान का उल्लेख करते हुए सहकारी क्षेत्र में उनकी भूमिका की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से सहकारी चीनी मिलों, सहकारी बैंकों और क्रेडिट सोसाइटियों के माध्यम से किए जा रहे कार्यों का उल्लेख किया।

मोहोल बेलगावी जिले के चिक्कोडी तालुका के नंदी में श्री बीरेश्वर को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी लिमिटेड (मल्टी-स्टेट) के नए प्रधान कार्यालय के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात और तमिलनाडु जैसे राज्यों में सहकारिता आंदोलन का विस्तार हुआ है। सहकारी संस्थाओं के माध्यम से कृषि, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और वित्तीय सेवाओं से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में कार्य किए जा रहे हैं।

सहकारिता क्षेत्र को मजबूत बनाने निरंतर प्रयास

केंद्रीय राज्य मंत्री ने जोल्ले परिवार द्वारा सहकारिता क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों का उल्लेख करते हुए कर्नाटक में सहकारी संस्थाओं को मजबूत करने में उनकी भूमिका की सराहना की। मोहोल ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सहकार से समृद्धि' विजन और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में देश में सहकारिता क्षेत्र को मजबूत, आधुनिक, पारदर्शी और व्यापक बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने सहकारी संस्थाओं को आधुनिक तकनीक और बेहतर प्रबंधन के साथ आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

सेवा सहकारी समिति तिरगा की 67वीं वार्षिक आमसभा संपन्न

■ 770 पंजीकृत कृषक सदस्यों वाली समिति में इस वर्ष 8 नए सदस्यों की भर्ती

तिरगा। सेवा सहकारी समिति मर्यादित तिरगा पंजीयन क्रमांक 1202 की स्थापना 23 मई 1959 को हुई थी। समिति की 67वीं वार्षिक साधारण आमसभा का आयोजन गुरुवार, 24 सितंबर 2026 को समिति कार्यालय में किया गया। आमसभा में आश्रित ग्राम तिरगा एवं झोला के बड़ी संख्या में कृषक सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक में समिति की गतिविधियों, वित्तीय स्थिति, बजट एवं आगामी कार्ययोजना सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। जानकारी के अनुसार खरीफवर्ष 2026-27 में समिति द्वारा कुल 215.25 लाख रुपये का नगद एवं खाद ऋण वितरण किया गया। वहीं खरीफ वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर कुल 28,780.80 क्विंटल धान का उपार्जन किया गया, जिसका शत-प्रतिशत परिवहन किया गया।

कृषक सदस्यों को मिल रहीं कई सुविधाएं

समिति द्वारा किसानों को आधुनिक बैंकिंग एवं डिजिटल सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। समिति में माइक्रो एटीएम एवं ष्ह्याष् सुविधा का संचालन किया जा रहा है। वहीं सीएसी के माध्यम से किसानों का ई-केवाईसी एवं अन्य आवश्यक कार्य किए जा रहे हैं, जिससे समिति के कृषक सदस्यों को लाभ मिल रहा है।



बजट प्रस्ताव को दी गई मंजूरी : आमसभा में संचालक मंडल की कार्यवाही का अनुमोदन, वर्ष 2025-26 के अंकेक्षित वित्तीय पत्रक का अनुमोदन, वर्ष 2026-27 के बजट प्रस्ताव तथा अंकेक्षण संबंधी प्रस्ताव सहित अन्य विषयों पर चर्चा एवं अनुमोदन की प्रक्रिया पूरी की गई। समिति की स्थापना के 67 वर्षों के सफर में तिरगा एवं झोला क्षेत्र के किसानों को ऋण, खाद तथा धान उपार्जन जैसी सहकारी सेवाएं उपलब्ध कराने में समिति की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

इनकी रही उपस्थिति

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री प्रीतपाल बेलचंदन, अध्यक्ष, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित दुर्ग तथा देवसिंह ठाकुर, प्राधिकृत अधिकारी उपस्थित रहे। आमसभा में कृषक सदस्यों गैदलाल देशमुख, बाबूलाल देशमुख, जैन देशमुख, उमेश देशमुख, खुमान देशमुख, हीरालाल दिल्लीवार, युवराज देशमुख, टिकेश्वर दिल्लीवार, रामसाय बेलचंदन, सुखित राम ढीमर, लक्ष्मण ठाकुर, दयाराम दिल्लीवार, महेश्वर यादव, नम्मूलाल, शिव प्रसाद देशमुख, कमल किशोर बेलचंदन, तिलक राम यादव, पारसनाथ, अश्वनी देशमुख, दिलीप कुमार ढीमर, विनय ठाकुर, मोहन देशमुख सहित बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित रहे।

सहकारिता की अवधारणा : मिल-जुलकर आगे बढ़ने का मार्ग एक व्यक्ति नहीं, सामूहिक शक्ति से विकास की नई राह



श्री केएन कांडे,
पूर्व अपर आयुक्त सहकारिता

सहकारिता केवल किसी संस्था या संगठन का नाम नहीं है, बल्कि यह मिल-जुलकर आगे बढ़ने की ऐसी विचारधारा है, जिसमें व्यक्ति अपने व्यक्तिगत हितों के साथ-साथ सामूहिक हितों को भी महत्व देता है। इसका मूल भाव है—÷एक सबके लिए और सब एक के लिए।

सहकारिता का आधार स्वैच्छिक संगठन, पारस्परिक सहयोग, लोकतांत्रिक नियंत्रण, समानता, आर्थिक उद्देश्य और सामुदायिक हित जैसे सिद्धांतों पर टिका है। इसमें सदस्य संस्था के मालिक भी होते हैं और उसके संचालन में सहभागी भी। यही कारण है कि सहकारी संस्थाओं में ÷एक सदस्य–एक मत÷ का सिद्धांत लोकतांत्रिक भागीदारी को मजबूत करता है।

सहकारिता एक जनआंदोलन

सहकारिता को केवल एक आर्थिक व्यवस्था के रूप में देखना पर्याप्त नहीं है। यह एक जनआंदोलन है, जिसका उद्देश्य समाज में समानता, आत्मनिर्भरता और सामूहिक विकास की भावना को मजबूत करना है।

सहकारी आंदोलन की मूल भावना ऐसे समाज के निर्माण से जुड़ी रही है, जहां आर्थिक विषमता और शोषण को कम करते हुए प्रत्येक व्यक्ति को विकास के अवसर मिल सकें। सहकारिता का दर्शन व्यवहारिक रूप में तभी सार्थक होता है, जब उसके सिद्धांत समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचें।

गांव, गरीब और किसान—सहकारिता के केंद्र में

भारत गांवों का देश है और देश की बड़ी आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है। इसलिए गांवों के विकास के बिना समग्र विकास की कल्पना अधूरी है।

गांव के विकास की बुनियादी आवश्यकताओं में पाठशाला, ग्राम पंचायत और सहकारी संस्थाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। शिक्षा ग्रामीण समाज को जागरूक बनाती है, पंचायत स्थानीय विकास में भागीदारी सुनिश्चित करती है और सहकारी संस्थाएं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को संगठित आधार प्रदान करती हैं।

किसान के लिए सहकारिता का महत्व इसलिए और बढ़ जाता है क्योंकि सहकारी संस्थाओं के माध्यम से उसे कृषि संसाधनों, ऋण, उत्पादन, विपणन और सामूहिक आर्थिक गतिविधियों से जोडने की संभावनाएं बनती हैं।

सहकारी आंदोलन की ऐतिहासिक यात्रा

भारत में सहकारिता का विकास आर्थिक शोषण और ग्रामीण समस्याओं से निपटने की आवश्यकता के बीच हुआ। दस्तावेज के अनुसार भारत में सहकारी आंदोलन को संस्थागत स्वरूप देने की दिशा में 1904 के सहकारी समिति अधिनियम और बाद के कानूनों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आगे चलकर सहकारी संस्थाओं और सहकारी साख व्यवस्था का विस्तार हुआ। आज सहकारिता देश के विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों में कार्यरत है और कृषि, बैंकिंग, डेयरी, मत्स्य, विपणन तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़े अनेक क्षेत्रों में इसकी भूमिका दिखाई देती है।

सहकारिता की नई दिशा

वर्तमान समय में सहकारिता के सामने पारंपरिक गतिविधियों के साथ-साथ डिजिटल तकनीक, आधुनिक प्रबंधन, पारदर्शिता, बाजार से जुड़ाव और नई पीढ़ी की भागीदारी जैसी नई चुनौतियां और अवसर हैं। सहकारी संस्थाओं को मजबूत बनाने के लिए आवश्यक है कि वे सदस्यों की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप सेवाएं प्रदान करें तथा युवाओं और महिलाओं को सहकारी गतिविधियों से जोड़ें। सहकारिता का मूल दर्शन आज भी उतना ही प्रासंगिक है—व्यक्ति की शक्ति सीमित हो सकती है, लेकिन सामूहिक प्रयास बड़ी आर्थिक और सामाजिक शक्ति में बदल सकता है।

कृषि सहकार से आत्मनिर्भर गांव की ओर

गांवों में सहकारिता को मजबूत करने का अर्थ केवल सहकारी समिति का गठन करना नहीं है। इसका व्यापक उद्देश्य ग्रामीण समुदाय को आर्थिक रूप से सक्षम बनाना है। जब किसान सामूहिक रूप से अपनी आवश्यकताओं और संसाधनों का प्रबंधन करते हैं, तो उनकी सौदेबाजी की क्षमता बढ़ती है और बाजार तक पहुंच मजबूत हो सकती है। इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों में डेयरी, मत्स्य पालन, बुनकर, श्रमिक और अन्य सहकारी गतिविधियों को बढ़ावा देकर स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं आय के अवसर विकसित किए जा सकते हैं।

अंतत:...

सहकारिता केवल एक व्यवस्था नहीं, बल्कि साझेदारी, विश्वास, समानता और सामूहिक जिम्मेदारी की विचारधारा है। यह हमें सिखाती है कि विकास का रास्ता केवल व्यक्तिगत सफलता से नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी से बनता है।

÷एक सबके लिए और सब एक के लिए÷ की भावना को व्यवहार में उतारकर ही सहकारिता को एक सशक्त जनआंदोलन और आत्मनिर्भर समाज के निर्माण का प्रभावी माध्यम बनाया जा सकता है।

॥ जय सहकार ॥

सहकार भारती और छत्तीसगढ़ की सहकारिता विश्वास, सहभागिता और जनसेवा का संकल्प

'सहकारिता का विश्वास, समाज की प्रगति का आधार'



लेखिका : स्मिता दोडके
प्रदेश महिला अध्यक्ष, सहकार भारती, छत्तीसगढ़

सहकार भारती : संगठन से आगे, सहकारिता की विचारधारा

सहकार भारती का मूल विचार सहकारिता को केवल लाभ और व्यवसाय तक सीमित न रखकर उसे सामाजिक उत्तरदायित्व, नैतिक मूल्यों और सामूहिक विकास से जोडना है। इसका प्रसिद्ध संदेश है— ५बिना संस्कार नहीं सहकार, बिना सहकार नहीं उद्धार।५ सहकारी संस्था की सफलता केवल उसके आर्थिक कारोबार से नहीं, बल्कि उसमें जुड़े सदस्यों के संस्कार, पारदर्शिता, परस्पर सहयोग और उत्तरदायित्व से भी निर्धारित होती है। सहकार भारती सहकारिता के क्षेत्र में कार्यरत लोगों, कार्यकर्ताओं और समाज के विभिन्न वर्गों के बीच संवाद स्थापित करने तथा सहकारिता के सिद्धांतों के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में कार्य करती है। बैठकों, प्रशिक्षण, संगोष्ठियों और विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से सहकारिता की भावना को मजबूत करने का प्रयास किया जाता है।

छत्तीसगढ़ में सहकारी समितियों की व्यापक भूमिका

छत्तीसगढ़ में सहकारी समितियों का कार्यक्षेत्र किसानों से लेकर ग्रामीण परिवारों और स्थानीय समुदायों तक विस्तृत है। जून-जुलाई 2026 में आयोजित सहकारी सप्ताह से संबंधित प्रकाशित जानकारी के अनुसार प्रदेश की 2,573 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के साथ दुग्ध, मत्स्य, बुनकर एवं अन्य सहकारी संस्थाओं की भागीदारी निर्धारित की गई थी। सदस्यता अभियान, किसान क्रेडिट कार्ड वितरण, माइक्रो एटीएम, मृदा परीक्षण, कृषक संगोष्ठी, वृक्षारोपण तथा एफपीओ और पैक्स की भूमिका जैसे विषयों पर गतिविधियाँ आयोजित की गईं। ये गतिविधियाँ यह दर्शाती हैं कि सहकारिता केवल आर्थिक लेन-देन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह किसानों, ग्रामीण परिवारों और स्थानीय समुदायों की विभिन्न आवश्यकताओं से जुड़ी व्यवस्था है।

सहकारिता केवल एक आर्थिक व्यवस्था नहीं, बल्कि समाज को आपसी सहयोग, विश्वास और सामूहिक प्रयास से जोडने वाली विचारधारा है। जब किसान अपनी उपज, महिलाएँ अपने हुनर, श्रमिक अपना परिश्रम और युवा अपनी प्रतिभा को सामूहिक प्रयासों से जोड़ते हैं, तब सहकारिता सामाजिक एवं आर्थिक विकास का प्रभावी माध्यम बनती है।

छत्तीसगढ़ जैसे कृषि प्रधान, वन संपदा से समृद्ध और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर आधारित राज्य में सहकारिता की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। प्रदेश की सहकारी समितियाँ किसानों के जीवन, कृषि व्यवस्था, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और स्थानीय रोजगार से गहराई से जुड़ी हुई हैं। प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को कृषि ऋण, खाद-बीज तथा अन्य कृषि सेवाएँ उपलब्ध होती हैं। इसके साथ ही दुग्ध, मत्स्य, बुनकर, सहकारी बैंकिंग तथा अन्य क्षेत्रों में भी सहकारी संस्थाएँ सक्रिय हैं।

महिला सहभागिता : नई संभावनाओं का द्वार

सहकारिता के विकास में महिलाओं की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्वयं सहायता समूहों, बचत समूहों और सामूहिक उद्यमों के माध्यम से महिलाएँ आर्थिक गतिविधियों से जुड़ रही हैं। स्थानीय उत्पादों, खाद्य प्रसंस्करण, हस्तशिल्प, कृषि आधारित गतिविधियों और वन उपज से जुड़े क्षेत्रों में महिलाओं के लिए सामूहिक कार्य की व्यापक संभावनाएँ हैं।

लेख में बस्तर क्षेत्र के खमढोडगी गाँव का उदाहरण दिया गया है, जहाँ समूह से जुड़ी महिलाओं ने गाँव के पास स्थित तालाब को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया। हस्तशिल्प और सजावट समूह के माध्यम से एकत्र धन से तालाब के किनारे फूड पार्क विकसित किया गया। यह उदाहरण बताता है कि स्थानीय संसाधनों की पहचान कर सामूहिक प्रयासों से उन्हें रोजगार के अवसरों में बदला जा सकता है।

महिला सहभागिता का अर्थ केवल किसी कार्यक्रम में उपस्थित होना नहीं है। वास्तविक सहभागिता तब होगी जब महिलाओं की बात सुनी जाए, उन्हें निर्णय प्रक्रिया में स्थान मिले और वे अपनी क्षमता के अनुरूप सहकारी गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाएँ।

विश्वास ही सहकारिता की सबसे बड़ी पूँजी

किसी भी सामाजिक संगठन या सहकारी व्यवस्था की सबसे बड़ी पूँजी जनता का विश्वास है। यह विश्वास केवल नारों से नहीं, बल्कि निरंतर संवाद, पारदर्शिता, व्यवहार और कार्यों से निर्मित होता है। सहकारी संस्थाओं के सदस्यों को संस्था के नियमों, निर्णयों, वित्तीय व्यवस्था और कार्यप्रणाली की जानकारी मिलना आवश्यक है।

सहकारिता से जुड़े कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि वे समाज तक सहकारिता की सही जानकारी पहुँचाएँ, लोगों के प्रश्नों को सुनें और उनके साथ निरंतर संवाद बनाए रखें। जनता का विश्वास किसी एक दिन में नहीं बनता; यह निरंतर प्रयास और सकारात्मक सहभागिता से विकसित होता है।

हमारा संकल्प : सहकारिता को जन-जन तक पहुँचाना

छत्तीसगढ़ में सहकारिता का विस्तार किसानों, महिलाओं, युवाओं, श्रमिकों और ग्रामीण समुदायों को जोडने की अनेक संभावनाएँ प्रस्तुत करता है। आवश्यकता इस बात की है कि सहकारिता के प्रति जागरूकता बढ़े, लोगों के बीच संवाद स्थापित हो और सहकारी संस्थाओं से जुड़े सदस्यों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित हो।

जब समाज सहकारिता को केवल एक व्यवस्था के रूप में नहीं, बल्कि सामूहिक उत्तरदायित्व और परस्पर सहयोग की भावना के रूप में समझेगा, तब इसका प्रभाव और व्यापक होगा। सहकारिता व्यक्ति को समूह से, समूह को समाज से और समाज को राष्ट्र निर्माण से जोडने की क्षमता रखती है।

आइए, सहकारिता के इस विचार को जन-जन तक पहुँचाएँ, सहकारी संस्थाओं के प्रति जागरूकता और सहभागिता बढ़ाएँ तथा विश्वास, सहयोग और सामूहिक प्रगति की भावना से सशक्त छत्तीसगढ़ के निर्माण में सहभागी बनें।

'बिना संस्कार नहीं सहकार, बिना सहकार नहीं उद्धार।'

सहकार भारती – सहकारिता के संस्कार, समाज के विकास का आधार।

खेतिहर श्रमिक से आगे बढ़कर अब अपने दुकान की संचालक बनी कमली दीदी

कोरिया। जिले के वनांचल जनपद पंचायत सोनहत के ग्राम पंचायत कछार में रहने वाले किसान परिवार की एक महिला जो पहले सिर्फएक खेतिहर श्रमिक थी। वहीं कमली दीदी अब बिहान की मदद पाकर अपने ही दुकान की संचालक बन गई हैं। पहले हर छोटे बड़े खर्च के लिए आर्थिक संकट का सामना करने वाली श्रीमती कमली अब अपने खर्च के साथ परिवार के खर्चों में भी हाथ बंटाती हैं। यह उनके आत्मविश्वास और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से मिली मदद से संभव हो सका है। एक श्रमिक महिला अब अपने व्यवसाय से स्वावलंबी जीवन में अग्रसर हो रही है।

कठिन आर्थिक जीवन : पहले केवल कृषि आधारित आजीविका पर निर्भर इस परिवार के पास हमेशा आर्थिक तंगी बनी रहती थी। अपने खेतों में परंपरागत खेती के बाद खाली रहने वाला यह परिवार अपने आजीविका के लिए शासन की अकुशल श्रम देने वाली योजनाओं पर निर्भर रहता था। ऐसे में आय के स्रोत सीमित थे। यह जीवन का कठिन दौर कमली दीदी और उनके परिवार के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण था।

बिहान से जुड़ावः कुछ वर्ष पूर्व गांव में महिलाओं को स्व सहायता समूह से जुड़ने और उनकी आर्थिक गतिविधियों के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिषन बिहान से कमली दीदी का जुड़ाव हुआ। अपने गांव बने महिला स्व सहायता समूह से जुड़कर इन्होने अपने साथियों के साथ सामान्य लेनदेन आरंभ किया। इसके बाद इनका विष्वास बढ़ा और इन्होने समूह के माध्यम से पहले 60 हजार और बाद में 50 हजार रूपए का ऋण प्राप्त किया। इसी राषि से इन्होने घर में महिलाओं की साजसज्जा से जुड़े सामान और छोटी सी परचून की दुकान आरंभ की इससे इनकी नियमित आय सुनिष्चित हुई है।

सुनिश्चित आय से संबल

ग्राम पंचायत कछार में रहने वाली श्रीमती कमली ने बताया कि बिहान से जुड़कर जबसे उन्होने अपनी दुकान संचालित की है। अब उनके पास अपने दैनिक खर्च के लिए कोई कमी नहीं है। साल भर में एक लाख रूपए से ज्यादा की आय अर्जित कर लेने से अब उनका आत्मविष्वास और पारिवारिक मान बढ़ गया है।








आमचो
बस्तर




















सहकार मेला 2026 में आपका हार्दिक स्वागत है
दिनांक- 19 से 23 सितंबर 2026,
स्थान- महेश्वरी भवन, जगदलपुर बस्तर (छ.ग.)
आयोजक- आर्य युवा केंद्र दिल्ली
सहकार
मेला
बस्तर
2026







बस्तर में सहकार मेले का भव्य समापन

- **देश को स्वावलंबी बनाने का मॉडल है सहकारिता : कनीराम**
- **बस्तर के जनजातीय समाज में आदिकाल से विद्यमान है सहकारिता : सौरभ शर्मा**
- **सहकारिता मॉडल से संभव है बस्तर का सर्वांगीण विकास : के.एन. कांडे**



जगदलपुर। सूक्ष्म एवं लघु उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग तथा सहकार भारती छत्तीसगढ़ प्रदेश के मार्गदर्शन में आर्य युवा केंद्र, नई दिल्ली द्वारा जगदलपुर के महेश्वरी भवन, कुम्हारपारा में आयोजित सहकार मेला का 23 सितंबर 2026 को भव्य समापन हुआ। मेला का आयोजन 19 से 23 सितंबर तक जनजातीय लघु उद्योग, रोजगार तथा भारत सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी एवं उनके प्रति जागरूकता के उद्देश्य से किया गया।

समापन समारोह में सहकार भारती छत्तीसगढ़ प्रदेश के महामंत्री श्री कनीराम जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं गरिमामयी उपस्थिति श्री दिनेश कश्यप, पूर्व सांसद एवं अध्यक्ष, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, जगदलपुर की रही। श्री सौरभ शर्मा, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित, रायपुर तथा श्री के.एन. कांडे, सेवानिवृत्त अपर आयुक्त सहकारिता, छत्तीसगढ़ विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में श्रीमती स्मिता दोडके, प्रदेश प्रमुख महिला प्रकोष्ठ, सहकार भारती एवं सुश्री पूजा पांडे, सह प्रमुख महिला प्रकोष्ठ, सहकार भारती छत्तीसगढ़ विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुईं।

सहकारिता से आत्मनिर्भर और विकसित भारत का निर्माण

समापन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री कनीराम ने बस्तर के समग्र विकास के लिए सकारात्मक सोच और दूरदृष्टि रखने वाले स्वर्गीय श्री बलिराम जी कश्यप को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि बस्तर के समग्र एवं समावेशी विकास के लिए सहकारिता मॉडल को प्रभावी रूप से अपनाने की आवश्यकता है। छोटे एवं लघु उद्योगों को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने में सहकारिता महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने सहकारिता को विश्व का सफल आर्थिक-सामाजिक मॉडल बताते हुए कहा कि देश को स्वावलंबी एवं विकसित बनाने के लिए सहकारी मॉडल को मजबूत करना आवश्यक है।

बस्तर की परंपराओं में सहकारिता की भावना

विशिष्ट अतिथि श्री सौरभ शर्मा ने कहा कि बस्तर के जनजातीय समाज में सहकारिता की भावना आदिकाल से विद्यमान रही है। उन्होंने घोटूल परंपरा एवं बस्तर दशहरा को सामूहिक सहभागिता और परस्पर सहयोग की अद्भुत मिसाल बताते हुए कहा कि सहकारिता आपसी विश्वास, सहभागिता और सामूहिक जिम्मेदारी पर आधारित व्यवस्था है। बस्तर की पारंपरिक सामाजिक संरचना में सहयोग और सामूहिकता की भावना को आधुनिक सहकारी संस्थाओं से जोड़कर क्षेत्र के विकास को नई दिशा दी जा सकती है।



समिति स्तर पर माइक्रो प्लान की आवश्यकता

विषय विशेषज्ञ श्री के.एन. कांडे ने कहा कि बस्तर नक्सलवाद से बाहर निकलकर विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। क्षेत्र में वनोपज, पर्यटन और दुग्ध उत्पादन सहित अनेक क्षेत्रों में व्यापक संभावनाएं हैं। इन संभावनाओं का स्थानीय स्तर पर बेहतर उपयोग करने के लिए प्रत्येक सहकारी समिति स्तर पर माइक्रो प्लान तैयार करने की आवश्यकता है। उन्होंने वनोपज आधारित प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना, स्थानीय संसाधनों के मूल्य संवर्धन तथा बांस से पेपर मिल जैसे उद्योगों की संभाव नाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि स्थानीय संसाधनों को स्थानीय स्तर पर प्रसंस्कृत कर सहकारी संस्थाओं के माध्यम से बाजार से जोड़ा जाए तो ग्रामीण एवं जनजातीय परिवारों के लिए रोजगार और आय के नए अवसर सृजित किए जा सकते हैं।

महिलाओं की भागीदारी को बताया महत्वपूर्ण

श्रीमती समिता दोडके, प्रदेश प्रमुख महिला प्रकोष्ठ, सहकार भारती ने मेले में महिलाओं की उत्साहपूर्ण एवं बड़ी संख्या में भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाओं की आर्थिक एवं सामाजिक समस्याओं के समाधान के लिए सहकारिता एक सशक्त माध्यम बन सकती है। वहीं सुश्री पूजा पांडे, सह प्रमुख महिला प्रकोष्ठ, सहकार भारती छत्तीसगढ़ ने महिलाओं से आत्मनिर्भर बनने का आह्वान करते हुए कहा कि राष्ट्र को समर्थ बनाने के लिए महिलाओं का आर्थिक रूप से समर्थ होना भी आवश्यक है।

प्रतिभागियों एवं उत्कृष्ट समितियों का सम्मान

सहकार मेले के समापन अवसर पर देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही बस्तर जिले की उत्कृष्ट सेवा सहकारी समितियों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। सहकार मेला को सफल बनाने में आर्य युवा केंद्र, नई दिल्ली के अध्यक्ष श्री पुशेष आर्य, मेला समन्वयक श्री रामानुज पाठक, कानपुर तथा श्री प्रदीप राणा, दिल्ली का प्रयास सराहनीय रहा। कार्यक्रम का संचालन श्री रंजीत पांडे एवं श्रीमती झरना मोहंती, बस्तर ने किया















स्वामी छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित रायपुर द्वारा प्रकाशक एवं मुद्रक विवेकानंद झा द्वारा क्वालिटी आफसेट, पुरानी बस्ती, रायपुर से मुद्रित कराकर छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित 16, पार्क स्ट्रीट-3, चौबे कालोनी रायपुर से प्रकाशित।
संपादक मंडल- विवेकानंद झा (प्रधान संपादक), विवेक पांडे (संपादक), फोन- 0771-4061702, 4031702, 4035702. वेबसाईट www.cgcoop.in E-mail- cgcoopnews@gmail.com